



द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20



अधिकृत भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली, उत्तर प्रदेश



डॉ. हर्षवर्धन

माननीय कैबिनेट मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण)



श्री अश्विनी कुमार चौहे

माननीय राज्यमंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण)

प्रशासनिक ढाँचा

अधिशासी निदेशक और सीईओ
प्रो. अरविंद राजवंशी

प्रशासन

चिकित्सा अधीक्षक
प्रो. अशोक कुमार

उप निदेशक (प्रशासन)
श्री सरोज कुमार सिंह

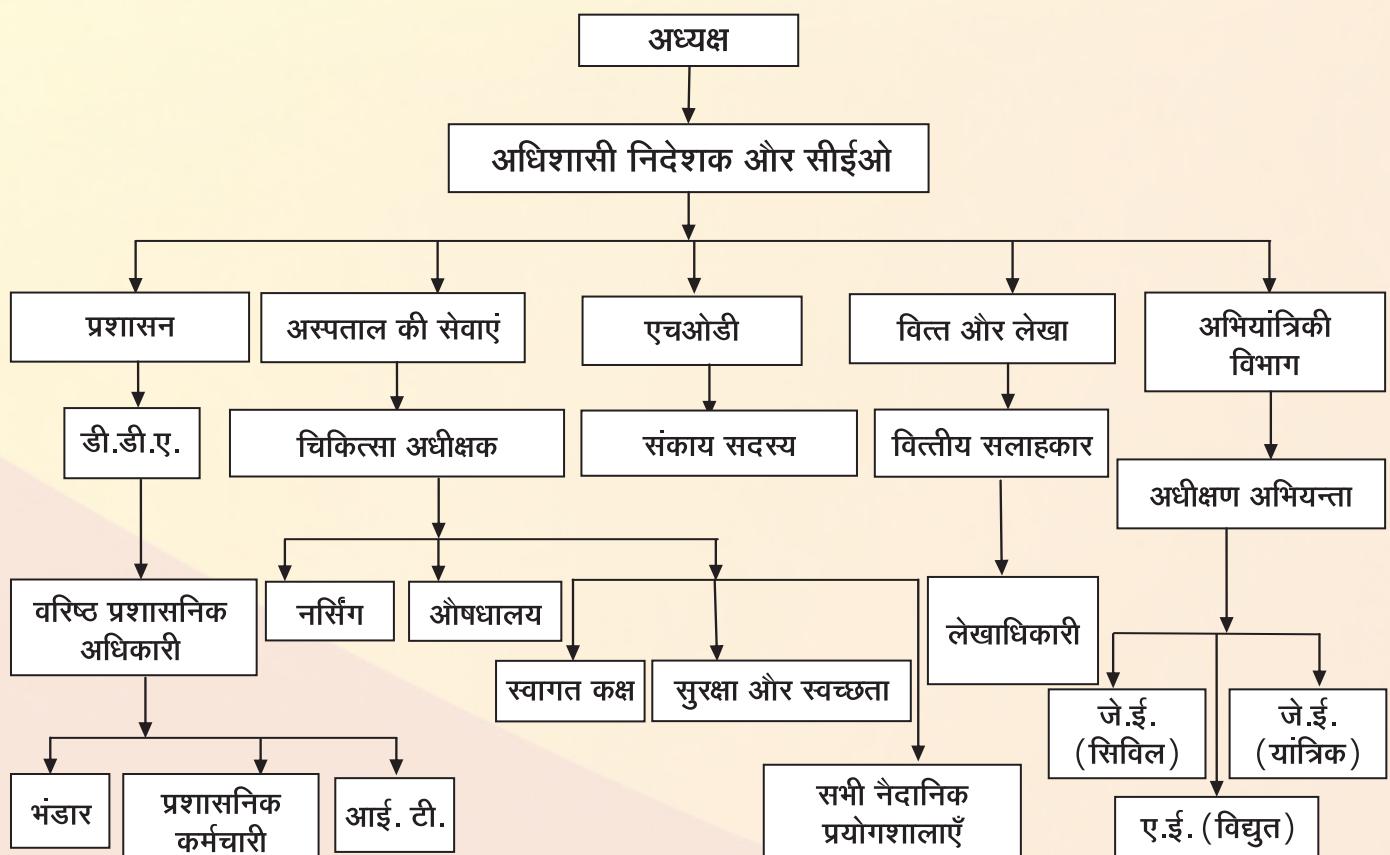
वित्तीय सलाहकार
श्री कुमार अभय

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
श्री समीर शुक्ला

अधिवल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली



संगठन



समिति द्वारा संयुक्त रूप से संपादित:

डॉ. रजत शुभा दास, अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर रचना विभाग
डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी, सह-आचार्य, शरीर रचना विभाग
डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय, सह-आचार्य, हड्डी रोग विभाग
डॉ. स्वराष्ट्र प्रकाश सिंह, सह-आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग
श्री विशाल कुमार, लेखाधिकारी, लेखा विभाग
श्री रवि बिश्नोई, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, नर्सिंग विभाग
श्री बिबेक केशरी, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक के नेतृत्व में वार्षिक प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद और पर्यवेक्षण किया गया।

योगदान में शामिल:

डॉ. अंशु शर्मा, प्रोफेसर और प्रमुख, शरीर रचना विभाग
डॉ. प्रगति गर्ग, प्रोफेसर और प्रमुख, नेत्र विज्ञान विभाग
डॉ. आर. एस. बेदी, प्रोफेसर और प्रमुख, दंत चिकित्सा विभाग
डॉ. अंशु खन्नी, अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर विज्ञान विभाग और छात्राओं के छात्रावास का प्रभारी
डॉ. संजय यादव, अतिरिक्त प्रोफेसर, जीव रसायन विभाग
डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय, सह-आचार्य, हड्डी रोग विभाग
डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी, सह-आचार्य, शरीर रचना विभाग और छात्रों के छात्रावास का प्रभारी
डॉ. पारुल सिन्हा, सह-आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव, सह-आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. मृत्युंजय कुमार, सह-आचार्य, शिशु शल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. अनन्या सोनी, सहायक आचार्य, कान, नाक एवं गला विभाग
डॉ. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य, सामान्य चिकित्सा
डॉ. सौरभ पाँल, सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग
श्री समीर शुक्ला, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासन
श्री विशाल कुमार, लेखाधिकारी, लेखा विभाग
श्री रवि बिश्नोई, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, नर्सिंग विभाग
श्री प्रवीण कुमार सिंह, सहायक अभियंता, अभियांत्रिकी विभाग
श्रीमती रंजीत कौर, प्रोग्रामर, आई.टी. विभाग
कुमारी तान्या श्रीवास्तव, रेडियोग्राफी सुविधा
श्री विजय कुमार, स्वागती, स्वागत कक्ष/ चिकित्सा अभिलेख विभाग
श्री अजय कुमार, सहायक सुरक्षा अधिकारी और स्वच्छता सुविधाएं
श्री आलोक शुक्ला, औषध विक्रेता, औषधालय

एम्स के बारे में

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को फरवरी 2009 में प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी.एम.एस.वाई.) के द्वितीय चरण के तहत 823 करोड़ रु. राशि के साथ अनुमोदन प्राप्त हुआ। राज्य सरकार 148 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की थी। रायबरेली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए 13 अगस्त, 2013 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी, जिसे एम्स, नई दिल्ली के बाद 7 वें एम्स होने का गौरव प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एम्स, रायबरेली की स्थापना के लिए जुलाई, 2013 में केंद्र सरकार को पहले से सहमत 148 एकड़ भूमि में से 97 एकड़ भूमि को हस्तांतरित किया। शेष 51 एकड़ भूमि राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहण की जा रही है और इसे उचित समय पर देने की उम्मीद है। मंत्रालय ने जुलाई, 2013 में परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में मेसर्स एच.एस.सी.सी. (इंडिया) लिमिटेड को नियुक्त किया।

कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण परियोजना में कई वर्षों तक विलंब हुआ। हालाँकि, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चरण - 1 के तहत बुनियादी ढांचे के विकास का उद्घाटन किया और 16 दिसंबर 2018 को अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के निर्माण की आधारशिला भी रखी।

पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ के संरक्षण में एम्स, रायबरेली के संकाय सदस्यों की भर्ती-प्रक्रिया वर्ष 2018 में शुरू हुई और जुलाई 2018 में संकाय सदस्य ने पदभार ग्रहण किया।

संस्थान के बाह्य रोगी विभाग को 13 अगस्त 2018 को 5 संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ आरंभ किया गया। तत्पश्चात् 15 अगस्त 2018 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ किया गया। अगले साल अगस्त 2019 में, आयुर्विज्ञान का पहला शैक्षणिक पाठ्यक्रम चयनित 50 छात्रों के पहले बैच के साथ शुरू किया गया था। छात्रों की चयन प्रक्रिया एम्स, दिल्ली द्वारा आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से हुई और इस तरह एम्स, रायबरेली ने एक यादगार यात्रा की शुरूआत की।

संस्थान के कामकाज के लिए मंच निर्धारित किया गया था। रोगी देखभाल सेवाओं के मामले में, सात विभागों की ओपीडी शुरू की गई थी, जिनमें हड्डी रोग, सामान्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा, कान, नाक एवं गला, नेत्र रोग, स्त्री रोग, और शिशु रोग के साथ ही फार्मेसी, एक्स-रे प्रयोगशाला प्रबंधन और ईसीजी जैसी सहायक सेवाएं भी शुरू हुईं।

लक्ष्य एवं दूरदर्शिता

चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और वैज्ञानिक संस्कृति से प्रभावित अनुसंधान, बीमार लोगों के प्रति करुणा और सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता में उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से इस संस्थान की स्थापना की गई है।



एम्स , रायबरेली के प्रतीक चिन्ह के बारे में

- चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली दवा के अमृत प्रभाव का प्रतीक सर्प और कर्मचारी है जो बीमार लोगों को बचाने और राहत देने के लिए है।
- दो फड़फड़ाते पंख सही निदान के संदर्भ में नेक चिकित्सकों की मानसिक दृढ़ता का संकेत देते हैं। चिकित्सक शारीरिक बीमारियों को दूर करने और मिटाने के लिए सही दवाओं की खोज में लगे हैं।
- गेहूं के गुच्छे और उत्सव मनाते लोग शांति, समृद्धि को दर्शाते हैं जिसको सुस्वास्थ्य के द्वारा लाया गया है।
- संस्कृत श्लोक "स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्" अर्थात् अच्छा स्वास्थ्य जीवन में सभी उपक्रमों के लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद और पहली आवश्यकता है।

सूची

1. एम्स - एक नजर
2. अध्यक्ष की समीक्षा
3. अधिशासी निदेशक की समीक्षा
4. संस्थान और उसकी समितियाँ (संस्थागत निकाय)
5. प्रशासनिक ढाँचा
6. विभाग
 - 6.1 शरीर रचना विभाग
 - 6.2 जैव रसायन विभाग
 - 6.3 सामुदायिक चिकित्सा विभाग
 - 6.4 दंत चिकित्सा विभाग
 - 6.5 सामान्य चिकित्सा विभाग
 - 6.6 प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
 - 6.7 नेत्र विज्ञान विभाग
 - 6.8 कान, नाक एवं गला विभाग
 - 6.9 हड्डी रोग विभाग
 - 6.10 शिशु रोग विभाग
 - 6.11 शरीर विज्ञान विभाग
 - 6.12 शल्य चिकित्सा विभाग
 - 6.13 अन्य सेवाएं
 - अ. प्रशासन
 - आ. वित्त और लेखा
 - इ. नर्सिंग विभाग
 - ई. रेडियोग्राफी सुविधा
 - उ. छात्रावास
 - ऊ. आई.टी. विभाग
 - ऋ. अभियांत्रिकी विभाग
 - ए. औषधालय
 - ऐ. स्वागत कक्ष / चिकित्सा अभिलेख विभाग
 - ओ. सुरक्षा और स्वच्छता सेवाएं
7. वार्षिक खाता (वित्तीय वर्ष 2019-20)
8. घटना और उत्सव की तस्वीर

एम्स – एक नजर

2019-2020

संकाय सदस्य	26
गैर-संकाय सदस्य	47
पूर्वस्नातक छात्र	50

अस्पताल सेवाएँ

अस्पताल के विभाग	बाह्य रोगी
दंत विभाग	8513
कान, नाक एवं गला	8002
सामान्य चिकित्सा	34771
सामान्य शल्य चिकित्सा	1610
स्त्री रोग	4121
नेत्र विज्ञान विभाग	8593
हड्डी रोग विभाग	21805
शिशु चिकित्सा दवा	4469
कुल	91884

एक्स-रे	11257
ई.सी.जी.	2743

प्रो. प्रमोद गर्ग

अध्यक्ष
एम्स, रायबरेली



अध्यक्ष की कलम से

एम्स, रायबरेली के अध्यक्ष के रूप में वर्ष 2019-2020 के लिए अपनी वार्षिक प्रतिवेदन में संस्थान के बारे में अपने विचारों को साझा करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, जो विकास के अपने दूसरे वर्ष में हमारे प्रयासों, चुनौतियों और उपलब्धियों का प्रतिबिंब है।

यह वर्ष एम्स, रायबरेली के इतिहास में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि एमबीबीएस छात्रों का पहला बैच जुलाई 2019 में शामिल हो गया है। यह गुणवत्ता चिकित्सा शिक्षा की समृद्ध परंपरा की शुरुआत है जिसके लिए ब्रांड 'एम्स' जाना जाता है। मुझे बहुत खुशी है कि देश भर के मेधावी छात्रों ने एम्स, रायबरेली को अपना शिक्षण संस्थान चुना है। शिक्षाशास्त्र एक महान शिक्षण संस्थान का मूल है और मुझे यकीन है कि नए भर्ती किए गए संकाय, छात्रों को उनकी क्षमताओं का सबसे अच्छा अध्ययन करने और सलाह देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह वास्तव में मेरे लिए 29 अगस्त 2019 को आयोजित पहले शैक्षणिक सत्र और पिन-अप समारोह का उद्घाटन करना एक सम्मान था। मुझे याद है कि मैंने समारोह के दौरान क्या कहा था, "यह आकांक्षी युवा छात्रों को उच्चतम गुणवत्ता की चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो देश भर से संस्थान में शामिल हुए हैं, यह राष्ट्रीय एकीकरण का संकेत है। पूर्ण विकसित अस्पताल के रूप में रायबरेली और आसपास के क्षेत्रों के रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में लगभग एक वर्ष का समय लगने की संभावना है। इस प्रकार यह भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के कुशल नेतृत्व में पी.एम.जे.ए.वाई., सरकार की एक प्रमुख योजना के लक्ष्य में राष्ट्रीय योगदान देगा। मैं पी.एम.एस.वाई. योजना के तहत देश में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मजबूत करने के लिए और अधिक एम्स संस्थानों की स्थापना में सरकार के प्रयासों की सराहना करता हूं।"

वर्ष के दौरान एक और महत्वपूर्ण घटना एम्स, रायबरेली के संस्थान निकाय (आई.बी.) की पहली बैठक 14 जनवरी 2020 को आयोजित की गई थी जिसमें सभी सदस्यों ने आग लिया था। शासी निकाय और अन्य सभी प्रमुख समितियों का गठन किया गया और सदस्यों ने आई.बी. की बैठक के दौरान संस्थान के विकास के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने का वादा किया।

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि बुनियादी ढाँचे का विकास अच्छी गति से हो रहा है और जल्द ही हमारे पास भर्ती हुए रोगी की सेवाओं को शुरू करने का हमारा सपना साकार होगा। मुझे प्राचीन भारतीय दर्शन आकर्षित करते हैं: "अस्माकं कार्याणि अस्मान्सावधिकरिण्यति" जिसका अर्थ है- "केवल कर्म हमें परिभाषित करता है।" जब तक मन कुछ बेहतर नहीं सोचता, तब तक कुछ भी नहीं होता। मुझे यकीन है कि निदेशक डॉ. जगत राम की अगुवाई वाली एम्स टीम और ओ.एस.डी. डॉ. बेहेरा द्वारा सहायता प्रदान करने वाली संस्था समयबद्ध तरीके से संस्थान के विकास के महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करेगी। टीम के सभी सदस्य - संकाय, डॉक्टर, और कर्मचारी - इस नए विकसित हो रहे संस्थान को अपने

दृढ़ प्रयास के साथ विकसित करेंगे और इसे थोड़े समय में पूरी महिमा के साथ अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करेंगे। यह हमें एम्स, रायबरेली को चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। भारत सरकार के निरंतर समर्थन के साथ और उसके नेतृत्व में, हम कुशल और समान स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संकायों, बुनियादी ढांचों और संसाधनों का सबसे अच्छा उपयोग करके अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए तत्पर हैं।

एम्स, रायबरेली परिवार के सभी सदस्यों को निकट भविष्य में एक उल्लेखनीय संस्था बनाने के लिए मेरी शुभकामनाएं।

प्रो. प्रमोद गर्ग

अध्यक्ष

एम्स, रायबरेली

अधिशासी निदेशक की कलम से



प्रो. अरविंद राजवंशी

एम.डी. एफआरसीपी (लंदन)

अधिशासी निदेशक और सी.ई.ओ.

एम्स, रायबरेली

वर्ष 2019-20 के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायबरेली के वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा विभाग के खातों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करना मेरा विशेषाधिकार है।

एम्स रायबरेली, एम्स, नई दिल्ली के बाद 7 वां एम्स है। संस्थान अगस्त 2019 से स्नातक चिकित्सा शिक्षा (एमबीबीएस) प्रदान कर रहा है। एम.बी.बी.एस. के 48 छात्रों के साथ पहला बैच (2019) आरंभ कर हम अपने संस्थान के छात्रों का उज्ज्वल भविष्य बनाने हेतु प्रयासरत हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायबरेली की उपलब्धियां, समर्पित शिक्षकों, जो चिकित्सा छात्रों की नई पीढ़ियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं, जिनका सेवा भाव लोगों के जीवन और कर्मचारियों के जीवन को बदल देती है और यह एम्स के सामूहिक समर्पण को दर्शाती है, जो कि एक सामान्य इष्टि का समर्थन करता है। मैं इस प्रतिवेदन पर प्रकाश डालकर प्रसन्न हूं।

स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के अलावा संस्थान का उद्देश्य सार्वजनिक बाह्य रोग विभाग (ओ.पी.डी.) के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना भी है, जो 13 अगस्त 2018 से सफलतापूर्वक चल रहा है। सभी बाधाओं जैसे- पर्याप्त श्रमशक्ति की कमी, निर्माणाधीन भवन और विभिन्न अन्य समस्याओं के बावजूद भी संस्थान ओपीडी रोग विषयक सेवाएं प्रदान कर रहा है और वर्ष 2019-20 में कुल 91884 मरीज ओपीडी सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं।

संस्थान अब आगे बढ़ने के लिए तैयार है, लेकिन उस उद्देश्य की पूर्ति हेतु दिशानिर्देश और प्रयास की आवश्यकता है। 14 जनवरी 2019 को हमने एम्स, नई दिल्ली में संस्थान निकाय की पहली बैठक में स्टोन रोलिंग की स्थापना की है और पहले से ही शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति, स्थायी चयन समिति, शैक्षणिक समिति और संपदा समिति जैसी अन्य वैधानिक निकायों का गठन किया है। मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के भवन निर्माण की गतिविधियों को प्राप्त करना मुश्किल था परंतु निर्माण एजेंसी के कई प्रकार की बाधाओं के बावजूद भी एम्स प्रशासन द्वारा इस पर काफी ध्यान दिया गया।

एम्स, रायबरेली ने दिए गए जनादेश का ईमानदारी से पालन करने का प्रयास किया है क्योंकि यह लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए अपने लक्ष्य में सरकार की सहायता करने का प्रयास करता है।

एम्स, रायबरेली के संकाय सदस्य चिकित्सा द्वारा भविष्य को बेहतर आकार देने में अपनी बुद्धि, प्रतिबद्धता और सरलता का सामंजस्य बनाकर भारत की जनता के लिए बनी प्रतिज्ञा की पुष्टि कर रहे हैं।

और हमारे मन में इस प्रतिज्ञा के साथ कि हम एम्स - रायबरेली को चिकित्सा-ज्ञान का मंदिर और उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के अपने अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ें।

“चरणबाई मधुविंदति चरनत्स्वदु मुदंबारम।

सूर्यस्य पश्यश्री मन म्योना तंद्रायते चरन।

चरैवेति, चरैवेति। ”

[“मधुमक्खी, अपनी गति से, शहद इकड़ा करती है और पक्षी निरंतर गति द्वारा स्वादिष्ट फलों का आनंद लेते हैं।

अपने निरंतर गतिशीलता के आधार पर सूर्य पूजनीय है; इसलिए हर किसी को लगातार गति में होना चाहिए।

चलते रहो, आगे बढ़ते रहो! ”]

प्रोफेसर अरविंद राजवंशी
अधिशासी निदेशक और सी.ई.ओ.
एम्स, रायबरेली

संरथान निकाय

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचनाएँ दिनांक: 31 अक्टूबर 2018, 15 जुलाई 2019 और 01 अगस्त 2019 द्वारा संस्थान के निम्नलिखित सदस्यों के साथ संस्थान का गठन किया है:

क्र. सं.	सदस्य	आई.बी. में पद
1	डॉ. प्रमोद गर्ग	अध्यक्ष, एम्स रायबरेली
2	श्री अजय (तेनी) मिश्रा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
3	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
4	श्री प्रदीप तम्ता माननीय संसद सदस्य, राज्यसभा	सदस्य
5	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
6	श्री राजेश भूषण, आईएएस सचिव, एम.ओ.एच.एण्ड एफ.एम., भारत सरकार	सदस्य
7	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
8	डॉ. डी.एस. गंगवर, आई.ए.एस. अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार	सदस्य, प्रतिनिधि एमओएच
9	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य
10	निदेशक, जे.आई.पी.एम.इ.आर., पुडुचेरी	सदस्य
11	प्रो. पी. कर, पूर्व-डीन, संकाय, आयुर्विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
12	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
13	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
14	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
15	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.)	सदस्य, प्रतिनिधि एमएचआरडी
16	डॉ. जानेश्वर टोंक, सह-आचार्य एवं एच.ओ.डी., हड्डी रोग विभाग, लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ	सदस्य
17	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य सचिव

शासी निकाय

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स अधिनियम, 1956 की धारा -10, एम्स विनियमन, 2019 के पैरा -5 और अन्य सभी प्रासंगिक अधिनियमों, नियमों एवं प्रावधानों के तहत एम्स, शासी निकाय का गठन किया है।

क्र. सं.	नाम और पदनाम	जी.बी. में पद
1	डॉ. प्रमोद गर्ग	अध्यक्ष
2	श्री अजय (तेनी) मिश्रा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
3	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
4	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य
5	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
6	डॉ. डी.एस. गंगवर, आईएएस अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार प्रतिनिधि एमओएच	सदस्य
7	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
8	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
9	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
10	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
11	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

स्थायी वित्त समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.), को एम्स नियम, 2019 के नियम-6 और 7 (1), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र. सं.	नाम और पदनाम	एस.एफ.सी. में पद
1	श्री राजेश भूषण, आईएएस सचिव, एम.ओ.एच.एण्ड एफ.एम., भारत सरकार	अध्यक्ष
2	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	उपाध्यक्ष
3	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
4	डॉ. डी.एस. गंगवर, आईएएस अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार प्रतिनिधि एमओएच	सदस्य
5	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
6	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
7	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

रथायी चयन समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी चयन समिति (एस.एस.सी.) को एम्स नियम, 2019 के नियम- 7(1), 7(2) एवं 9(2), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र. सं.	नाम और पदनाम	एस.एस.सी. में पद
1	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	अध्यक्ष
2	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	उपाध्यक्ष
3	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
5	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
6	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
7	प्रो. पी. कर, पूर्व-डीन, संकाय, आयुर्विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

रथायी शैक्षणिक समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी शैक्षणिक समिति (एस.ए.सी.) को एम्स नियम, 2019 के नियम- 7(1) एवं 7(2), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र. सं.	नाम और पदनाम	एस.ए.सी. में पद
1	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	अध्यक्ष
2	श्री प्रदीप तम्ता माननीय संसद सदस्य, राज्यसभा	सदस्य
3	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
5	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
6	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
7	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

स्थायी संपदा समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी संपदा समिति (एस.ई.सी.) को एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र. सं.	नाम और पदनाम	एस.ई.सी. में पद
1	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	अध्यक्ष
2	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	उपाध्यक्ष
3	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
5	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
6	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एमएचआरडी	सदस्य
7	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
8	डॉ. जानेश्वर टोंक, सह-आचार्य एवं एचओडी, हड्डी रोग विभाग, लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

शरीर रचना विभाग

क्र. सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. रजत शुभा दास	अतिरिक्त आचार्य
2	डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी	सह-आचार्य
3	डॉ. शुभांगी यादव	सहायक आचार्य

परिचय

यह एम्स, रायबरेली के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था जब संस्थान में शरीर रचना विभाग की स्थापना 1 सितम्बर 2019 के साथ ही एमबीबीएस पाठ्यक्रम का प्रारंभ हुआ। 2019-2020 सत्र के दौरान 50 छात्रों को पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया था। संस्थान की शुरुआत के समय 2019 में सहायक आचार्य डॉ. शुभांगी यादव और सह-आचार्य डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी, विभाग में शामिल हुए, जबकि अतिरिक्त आचार्य डॉ. रजत शुभा दास अगले महीने के दौरान पदभार ग्रहण किया। इस प्रकार हमने अस्थायी भवन में विभाग के निर्माण के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, जो किसी भी नई पहल के लिए एक अपरिहार्य भूमिका था।

शैक्षणिक गतिविधि

विच्छेदन कक्ष परिचारकों और एक आधिकारिक कर्मचारी को विभाग में शामिल किया गया था। संस्थान में विच्छेदन वर्ग शुरू किया गया था क्योंकि हम अपने संरक्षक संस्थान पी.जी.आई.एम.ई.आर., चण्डीगढ़ से पांच शर्वों को ले सकते थे। यह सभी के लिए एक यादगार क्षण था जब शव शपथ ग्रहण समारोह के साथ पहला विच्छेदन वर्ग आयोजित किया गया था।

ऊतक विज्ञान प्रयोगशाला को लाइट माइक्रोस्कोप और हिस्टोलॉजी स्लाइड के पर्याप्त नंबरों की खरीद के साथ स्थापित किया गया था। मानव कंकालों की भी अच्छी संख्या में खरीद की गई। धीरे-धीरे और लगातार चीजें वांछित दिशा में आगे बढ़ती गईं। गीले नमूनों को तैयार किया गया और एक छोटा संग्रहालय स्थापित किया गया।

उपलब्धियाँ-

डॉ. रजत शुभा दास

- उन्हें जीन 2019; 710: 202-209 में 'पूर्वोत्तर भारतीय महिलाओं में अस्थि खनिज घनत्व और लिपिड प्रोफाइल के संबंध में एस्ट्रोजन रिसेप्टर ए और बी जीन बहुरूपता' शीर्षक से एक प्रकाशन मिला था।
- उन्होंने 13 से 15 मार्च, 2019 के दौरान एनएचएल मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद में आयोजित एसओसीए (सोसाइटी ऑफ क्लीनिकल एनाटोमिस्ट्स) के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी

1. उन्होंने 13 से 15 मार्च, 2019 के दौरान एनएचएल मेडिकल कॉलेज में सोसाइटी ऑफ क्लीनिकल एनाटोमिस्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय मानव भ्रूणों में रीढ़ की हड्डी का विकास पैटर्न' पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
2. वह वर्तमान में विभिन्न शरीररचना संबंधी संरचनाओं के आकारिकी पर काम कर रहे हैं।

अन्य योगदान

1. डॉ.राजत शुभा दास ने वर्ष 2019-2020 बैच के लिए शिक्षण अनुसूची और शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करने की दिशा में सक्रिय योगदान दिया है।
2. डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी ने लड़के के छात्रावास में संरक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है।

जैव रसायन विभाग

क्र. सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. संजय यादव	अतिरिक्त आचार्य
2	डॉ. अंकित गुप्ता	सहायक आचार्य
3	डॉ. संदीप अग्रवाल	सहायक आचार्य
4	डॉ. अल्ताफ अहमद मीर	सहायक आचार्य
5	डॉ. सदाशिव	सहायक आचार्य

भूमिका

जैव रसायन विभाग संस्थान की स्थापना के दिन से कार्यात्मक है। वर्तमान में विभाग में 5 संकाय सदस्य और कई सहायक कर्मचारी हैं।

शैक्षणिक गतिविधि

विभाग स्नातक छात्रों को गुणवत्ता शिक्षण प्रदान कर रहा है और इसे स्नातकोत्तर स्तर तक विस्तारित करने की योजना है। शिक्षण के साथ, यह नियमित जैव रासायनिक नैदानिक सेवाएं भी प्रदान करता है और कई नए आणविक और जैव रासायनिक परीक्षण स्थापित करने की योजना है। यह विभाग जीव रसायन और संबंधित विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

नैदानिक गतिविधि

प्राप्त नमूने का विवरण और किए गए परीक्षण

परीक्षणों का नाम	परीक्षणों की संख्या
सी.बी.सी.	9601
ई.एस.आर.	2153
ए.बी.ओ.	138
मलेरिया एंटीजन	587
वाइडल	1028
आर.एफ.	1131
सी.आर.पी.	1566
एच.बी.एस.ए.जी.	216
मूत्र	3251
शर्करा	10858
एल्बुमिन	2033
ए.एल.पी.	2128
ए.एल.टी.	2058

परीक्षणों का नाम	परीक्षणों की संख्या
ए.एस.टी.	2057
बिलीरुबिन डी	2050
बिलीरुबिन	2047
कैल्शियम	2334
कोलेस्ट्रॉल	1697
क्रिएटिनिन	3394
एच.डी.एल.	1735
एल.डी.एल.	647
ट्राइग्लिसराइड्स	1689
कुल प्रोटीन	2059
यूरिक अम्ल	3793
यूरिया	3464

उपलब्धियाँ

डॉ. संजय यादव

अनुसंधान परियोजना:

किशोरावस्था न्यूरोटॉक्सिकेट्स एक्सपोजर और न्यूरल एजिंग द्वारा प्रेरित न्यूरोड पीढ़ी में एमआईआर-29 परिवार की भूमिका पर अध्ययन। एस.ई.आर.बी., नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (सी.एस.आई.आर._आई.टी.आर., लखनऊ में चल रहा है)।

प्रकाशन:

1. टी सिंह, एस यादव; (2020) पर्यावरण न्यूरोटॉक्सिकेट्स और उम्र बढ़ने से प्रेरित न्यूरोड पीढ़ी में सूक्ष्म आरएनए की भूमिका। एजिंग रिसर्च रिव्यू वॉल्यूम 60, जुलाई 2020, 101068।
2. फ़ेज़ा हसन, विनय यादव, त्रिदेव कठियार, संजय यादव, राहुल पांडे, दिव्या मेहरोत्रा, राहत हादी, सुधीर सिंह, मदन एलबी भट्ट, देवेंद्र परमार (2020)। कैंसर के रोगियों और ऑटो / टैक्सी चालकों के परिधीय रक्त में कम घनत्व सरणी का उपयोग करते हुए जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल की पुष्टि। जीनोमिक्स 112 (1), 513-519.
3. अंकिता श्रीवास्तव, अंकुर कुमार श्रीवास्तव, मनीषा मिश्रा, जय शंकर, अनीता अग्रहरी, मोहन कामथन, प्रद्युम्न के. सिंह, संजय यादव, देवेंद्र परमार (2019)। पुनर्विकसित वयस्क चूहों में वृद्धि की प्रतिक्रिया की जांच करने के लिए एक प्रोटोटाइप दृष्टिकोण, जो कि प्राणघातक रूप से लिंडेन के संपर्क में है। न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी 74, 184-195.
4. ए जौहरी, एस यादव, एमआईआर-34 और एमआईआर-200: सेल फेट प्लास्टिसिटी और तंत्रिका विकास के नियामक न्यूरोमोलेक्युलर दवा, 1-13.
5. फ़ेज़ा हसन, त्रिदेव कठियार, शैलेंद्र एस मौर्य, विनय यादव, संजय यादव, राहुल पांडे, दिव्या मेहरोत्रा, राहत हादी, सुधीर सिंह, मदन एल भट्ट, देवेंद्र परमार (2019)। सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों के बायोप्सी नमूनों के साथ परिधीय रक्त दवा चयापचय एंजाइमों और कैंसर मार्कर जीन की एमआरएनए अभिव्यक्ति में समानताएं। बायोमार्कर 24 (6), 574-583।

पुरस्कार, विदेशी दौरा और आमंत्रित वार्ता:

1. एक महीने के लिए पॉलीटेक क्लरमॉट-फेरेंड विश्वविद्यालय प्रयोगशाला का दौरा करने और सहयोग शुरू करने के लिए, पॉलीटेक क्लरमॉट-फेरेंड विश्वविद्यालय से फेलोशिप प्राप्त किया।
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 13-16 फरवरी, 2020 के बीच आयोजित 8 वें अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद कैंसर अनुसंधान (8 वीं टीसीआर) सम्मेलन में शामिल होकर सभा को संबोधित किया।

डॉ. अंकित गुप्ता

अनुसंधान परियोजनायें:

1. परियोजना का शीर्षक: मलेरिया परजीवी द्वारा और समवर्ती संक्रमण के दौरान होस्ट सेल रीमॉडलिंग में शामिल आण्विक तंत्र का विच्छेदन।

योजना / एजेंसी: स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डी.एच.आर.), भारत

2. परियोजना का शीर्षक: मलेरिया के खिलाफ दवा के विकास के लिए मूल में प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम आयन ट्रांसपोर्टरों के कार्यात्मक लक्षण वर्णन।

योजना / एजेंसी: विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एस.ई.आर.बी.), स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान (एस.आर.जी.) के लिए भारत।

शोध पत्र:

1. रोजलेन एकका, अंकित गुप्ता, सोनिका भटनागर, पवन मल्होत्रा और पुष्कर शर्मा। मलेरिया परजीवी द्वारा होस्ट सेल आक्रमण के लिए होप्टेरी प्रोटीन का फास्फोराइलेशन आरएचओपीएच3 महत्वपूर्ण है। एम.बी.आई.ओ.- 2020
2. अंकित गुप्ता, मो. उस्मान गनी और प्रमोद कुमार। रायबरेली ज़िले, उत्तर प्रदेश, भारत में मैक्रोसाइटोसिस अन्त्यधिक प्रचलित है। चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 2020; 8 (5): 1632-1636.
3. अंकित गुप्ता, अब्दुल्ला ए.बी. बोखारी, अजय डी. पिल्लई, अन्ना के. क्रेटर, जीनिन गीज़ेल, गगनदीप सग्गू, अरमियाव एस. नासाम्, सुरेश एम. गणेशन, जैकिवन सी. नाइल्स और संजय ए. देसाई।
प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम जेनेटिक क्रॉस में मैंडेलियन वंशानुक्रम के बावजूद जटिल पोषक चैनल फेनोटाइप। पीएलओएस पेथोजीन 2020; 16 (2): इ1008363

सम्मेलन:

1. 25-25 सितंबर, 2019 को गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चारोटर (चारसैट) में आयोजित सम्मेलन में "आण्विक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (मॉलमेड-2019)" का पोस्टर प्रस्तुत किया गया।
2. मलेरिया और अन्य संचारी रोगों के भारतीय समाज का वार्षिक सम्मेलन (आई.एस.एम.ओ.सी.डी.) के तेरहवें वार्षिक सम्मेलन में मौखिक बातचीत का आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसम्बर, 2019 को आईएमए हाउस, कोच्चि, केरल में हुआ।

डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल

शैक्षणिक उपलब्धियाँ:

1. दिसंबर 2019 में जीव रसायन विज्ञान में राष्ट्रीय बोर्ड का राजनायिक (डौ.एन.बी.) की उपाधि से सम्मानित।
2. एम्स, नई दिल्ली के जीव रसायन विज्ञान के एमएससी छात्र द्वारा प्रस्तुत स्नातकोत्तर थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक।

प्रकाशन:

1. डे डी., जिंगर पी., अग्रवाल एस., श्रीवास्तव वी., भट्टाचार्य ए., मन्हास जे., गर्ग बी., अंसारी एमटी., मृधा एआर., श्रीनिवास वी., खुराना ए., सेन एस। सिम्फाइटमॉफिसिनेल मानव अस्थि मज्जा-व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में ओस्टोजेनेसिस को बढ़ाता है क्योंकि वे ऑस्टियोब्लास्ट में अंतर करते हैं। जे एथनोफार्माकोल. 10 फरवरी 2020; 248: 112329 [डी.ओ.आई.: 10.1016/जे.जेर्झीपी. 2019.112329 इ.पी.यू.बी. 2019 अक्टूबर 28.

डॉ. अल्ताफ अहमद मीर

1. 17-20 नवंबर, 2019 को जयपुर, भारत में आयोजित 15 वीं एशिया-प्रशांत महासंघ का नैदानिक जीव रसायन और प्रयोगशाला कांग्रेस में भाग लिया।
2. 15 वीं एशिया-प्रशांत महासंघ का नैदानिक जीव रसायन और प्रयोगशाला कांग्रेस में "रक्त में कैलिश्यम के स्तर को स्थिर हेमोडायलिसिस रोगियों में कैलिश्यम को मापने के लिए" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सामुदायिक चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सौरभ पॉल	सहायक आचार्य
2	डॉ. अभय सिंह	सहायक आचार्य
3	डॉ. प्रिया माधवा बेहेरा	सहायक आचार्य

परिचय :

एम्स, रायबरेली की सामुदायिक चिकित्सा विभाग की स्थापना सितंबर 2019 में संस्थान के स्नातक चिकित्सा छात्रों / स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों को उच्च गुणवत्ता शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य के साथ की गई थी। हमारे पास वैज्ञानिक जांच और सहानुभूतिपूर्वक समुदाय के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, सेवाएं और नैतिक मूल्य प्रदान करके सामुदायिक चिकित्सा विभाग में उत्कृष्टता का केंद्र विकसित करने का दृष्टिकोण है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग स्नातक के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नियमित सिद्धांत कक्षाओं के साथ-साथ प्रदर्शन भी कर रहा है। उस अवधि के दौरान विभाग द्वारा आयोजित सिद्धांत कक्षाओं की संख्या 26 थी।

विभाग ने रायबरेली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी.एच.सी.), सलोन में एक ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने के लिए उपयुक्त स्थान चयन की प्रक्रिया शुरू की है।

उपलब्धि

डॉ. सौरभ पॉल, सहायक आचार्य ने इस अवधि में तीन राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया था। वह "भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ", "चिकित्सा सांखिकी के लिए भारतीय समाज" और "भारतीय जराचिकित्सा समाज" के सदस्य भी बने। उस अवधि के दौरान तीन अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक भी बने। उन्होंने उस अवधि में दो मूल शोध पत्र प्रकाशित किए थे।

डॉ. अभय सिंह, सहायक आचार्य ने इस दौरान तीन अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने स्नातक चिकित्सा छात्रों की शारीरिक रूप से तथा ऑनलाइन भी शैक्षणिक कक्षाओं में भाग लिया है और व्यावसायिक स्वास्थ्य की पाठ्यपुस्तक में "ऑक्यूपेशनल कैंसर" पर एक अध्याय भी प्रकाशित किया है। वे जी.एम.सी., कन्नौज (उ.प्र.) में एमबीबीएस छात्रों के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी नियुक्त हुए हैं। वे एसआर / जेआर साक्षात्कार की चयन समिति में एक सदस्य के रूप में नियुक्त हुए। उन्होंने "पोषण अभियान की गुणवत्ता मूल्यांकन" पर एक दिवसीय कार्यशाला शुरू किया और आयोजित किया।

अनुसंधान गतिविधि

विभाग ने एक परियोजना "पोषण अभियान की गुणवत्ता मूल्यांकन" के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था।

नैदानिक गतिविधि

विभाग ने एम्स, रायबरेली की चिकित्सा ओपीडी के सहयोग से ओ.पी.डी. के रोगियों का नियमित निवारक जांच किया था।

उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सीनियर रेजिडेंट द्वारा संकाय की सहायता की गई।

दंत चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. शिवेश आचार्य	सहायक आचार्य

नैदानिक गतिविधि:

विभागीय आँकड़े: दंत ओपीडी में कुल मरीजों ने भाग लिया = 8513 (पु. 4362, म. 4151)

रोगी-देखभाल: ओपीडी में विभिन्न प्रकार की चिकित्सकीय उपचार प्रक्रियाएँ

1. रूट कैनल उपचार	522
2. पुनर्स्थापन और सीलेंट	437
3. निष्कर्षण	830
4. आईओपीए एक्स-रे	1563

दंत ओपीडी में आने वाले सभी रोगियों को आहार संबंधी संशोधनों, ब्रश करने के तरीके, मौखिक स्वच्छता और मौखिक स्वास्थ्य से संबंधित प्राथमिक निवारक शिक्षा के सुझाव दिए गए थे।

उपलब्धियां:

- दंत चिकित्सा विज्ञान की भारतीय पत्रिका में समीक्षा लेख प्रकाशित किया गया था, जिसका शीर्षक था "मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस रोगजनन में सूक्ष्म आरएनए रूपरेखा की भूमिका और मौखिक आरएएस रोगजनन में सूक्ष्म आरएनए विकृति में करक्यूमिन की एंटीकार्सिनोजेनिक कार्रवाई: एक साहित्य अद्यतन ", अक्टूबर 2019 में।
- डॉ. शिवेश आचार्य को आईडीए रायबरेली ने आर.आई.डी.ए.सी.ओ.एन. 2019 में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था। "प्राथमिक एंडोडॉन्टिक्स - रिविज़िटेड" पर एक व्याख्यान दिया गया था, जिसने जून 2019 में प्राथमिक दांतों के सभी लुगदी उपचारों का सारांश दिया।

उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने में संकाय को सीनियर रेजिडेंट, दंत विभाग द्वारा सहायता प्रदान की गई।

सामान्य चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. प्रमोद कुमार	सहायक आचार्य

नैदानिक गतिविधि:

रोगी की देखभाल:

- अ. इस अवधि के दौरान हमने विभिन्न रोगों जैसे- अनियंत्रित मधुमेह मेलेटस, उच्च रक्तचाप, हाइपोथायरायडिज्म, हाइपरथायरायडिज्म, कार्डियोमायोपैथी, हृदय रोग, क्रोनिक किडनी रोग, सीओपीडी, ब्रोन्कियल अस्थमा और अन्य बीमारियों के कई रोगियों का इलाज किया।
- आ. रोगियों के उपचार के दौरान हम मरीजों की देखभाल, उनकी संतुष्टि, शिक्षा आदि के बारे में अधिक सचेत थे।

आंकड़े:

कुल मरीज	-	34771
पुरुष	-	17703
महिला	-	17066
अन्य	-	2

नए मामले				पुराने मामले				कुल			
पुरुष	महिला	अन्य	कुल	पुरुष	महिला	अन्य	कुल	पुरुष	महिला	अन्य	कुल
8322	7688	2	16012	9381	9378	0	18759	17703	17066	2	34771

उपलब्धियां:

- एक मूल शोध लेख नैदानिक और प्रायोगिक नेफ्रोलॉजी के जर्नल में प्रकाशित किया गया है और दूसरा चिकित्सा विज्ञान (हेमेटोलॉजी) में शोध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है। चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान के इतिहास में एक शोध पत्र का संचार किया गया है।
- डॉ. प्रमोद कुमार को यू.पी.सी.एस.आई. में आजीवन सदस्यता मिली।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

क्र. सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. बनाश्री नाथ	सहायक आचार्य
2	डॉ. कृष्ण सिंह	सहायक आचार्य

परिचय :

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की शुरुआत से ही ओपीडी में रोगियों का बाह्य आधार पर उपचार जारी रखा गया।

नैदानिक गतिविधि:

सभी प्रसूति-पूर्व रोगियों को स्वस्थ आहार आदतों के बारे में परामर्श दिया गया, ताकि दैनिक भूष्ण की निगरानी की जासके और गर्भावस्था की जटिलताओं की भविष्यवाणी करने और उन्हें रोकने के लिए संचलन की गिनती और अन्य खतरे के संकेत मिल सकें। ओपीडी में आने वाले सभी महिलाओं को गर्भनिरोधक के विभिन्न विकल्प प्रदान किया गया। व्यक्तिगत स्वच्छता के रखरखाव के बारे में महिलाओं की सलाह ली गई।

विभागीय सांख्यिकी

	कुल	नया	पुराना
कुल मामलों में भाग लिया	4121	2145	1976
प्रसूति-विज्ञान	412	246	166
स्त्री रोग	3709	1899	1810

गर्भनिरोधक सेवा

माला-एन	268
निरोध	288
छाया	18
कॉपर टी 375	2
अंतरा	5

उपलब्धियां:

इस अवधि के दौरान, संकाय ने अनुक्रमित पत्रिका में कुछ शोध पत्र प्रकाशित किए।

नेत्र विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. स्वराष्ट्र प्रकाश सिंह	सहायक आचार्य
2	डॉ. अंकुर सिंह	सहायक आचार्य

परिचय :

विभाग ने 26 जुलाई 2018 से अपना कार्य आरंभ किया और 13 अगस्त 2018 से एम्स, रायबरेली में ओपीडी सेवाएं शुरू कीं। बाद में समय के साथ विभाग के संकायों के तहत 6 विशेष क्लीनिक भी शुरू किए गए।

नैदानिक गतिविधि

नेत्र विज्ञान विभाग ने उक्त अवधि में ओपीडी में आने वाले 8593 रोगियों (1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक) का इलाज किया है।

कुल मरीजों की संख्या: 8593

नए मामले	:	6075
पुराने मामले	:	2517

इनमें से जिन रोगियों को विशेष क्लीनिक में देखा गया था वे निम्नानुसार हैं -

कॉर्निया क्लिनिक	:	453
ग्लूकोमा क्लिनिक	:	732
उविया क्लिनिक	:	152
नेत्रपटल क्लिनिक	:	843
न्यूरो नेत्र विज्ञान क्लिनिक	:	165
स्ट्रैबिस्मस	:	342

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

चूंकि अगस्त 2019 में केवल एक एमबीबीएस बैच का आरंभ एम्स, रायबरेली में हुआ था, इसलिए हमें शैक्षणिक गतिविधियों के लिए स्नातक बैच शामिल करना बाकी है। उक्त अवधि के दौरान इंट्रा विभागीय मामले पर चर्चा हुई।

डॉ. अंकुर सिंह ने अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसाइटी (ए.आई.ओ.एस.) के वार्षिक सम्मेलन 2020, गुरुग्राम, भारत में विभिन्न अनुसंधानों में इंट्राऑपरेटिव ओसीटी की प्रभावशीलता पर शोध किया।

उन्होंने विटेरियो-रेटिना फेलोशिप को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उन्हें अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसाइटी, भारत द्वारा "एफ.ए.आई.सी.ओ. रेटिना और विट्रीस" सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया।

द रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस और ग्लासगो, ब्रिटेन के सर्जन द्वारा सम्मानित किए गए चरण 1 एफ.आर.सी.एस.-नेत्र विज्ञान को सफलतापूर्वक पूरा किया।

अनुसंधान गतिविधि

नेत्र विज्ञान विभाग में डॉ. स्वराष्ट्र प्रकाश सिंह, सहायक आचार्य 1 मूल शोध पत्र में शामिल थे, जिसे इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च वॉल्यूम -9, अंक -8 में प्रकाशित किया गया था, जिसका प्रकाशन अगस्त 2019 में "उत्तर भारतीय आबादी में टेरिजियम के लिए व्यापकता और संबद्ध कारक" नामक शीर्षक से हुआ था।

नेत्र विज्ञान विभाग में डॉ. अंकुर सिंह, सहायक आचार्य 2 मूल शोध पत्र में शामिल थे।

प्रकाशित - अंकुर सिंह, मोहित डोगरा, सिमर राजन सिंह, ब्रैंटु मोहराना, बसवराज तिगरी; "माइक्रोस्कोप इंटेग्रेटेट ऑप्टिकल कॉहेरेंस टोमोग्राफी गाइडेड ऑटोलॉग्स फूल थीकनेस न्यूरोसेंसरी रेटिनल ऑटोग्रॉफ्ट लार्ज मैक्यूलर होल रिलेटेड टोटल रेटिना डिटेचमेंट," प्रिंट, 2020 जनवरी से पहले ऑनलाइन प्रकाशित

रेटिना.2020;10.1097/आईएई.0000000000002729.डीओआई:10.1097/आई.ए.ई. 0000000000002729

कान, नाक एवं गला रोग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अनन्या सोनी	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली में कान, नाक एवं गला विभाग 3 अगस्त 2018 को बाह्य रोगी विभाग सेवाओं के साथ शुरू किया गया था। आरंभ से ही कान, नाक और गला से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत हुई।

नैदानिक गतिविधि

वर्तमान में विभाग में एक सीनियर रेजिडेंट कार्यरत है। इस दौरान कुल 8002 मरीज ओ.पी.डी. में देखे गए।

अनुसंधान गतिविधि

डॉ. अनन्या सोनी ने इस अवधि में अनुक्रमित पत्रिका में दो मूल लेख प्रकाशित किए। वह इस अवधि में भारतीय कर्णविज्ञान समाज और भारतीय कर्ण व स्वरतंत्र विशेषज्ञ समाज के सक्रिय सदस्य बन गई।

हड्डी रोग विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय	सहायक आचार्य
2	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य

परिचय

हड्डी रोग विभाग में आने वाले रोगियों को दैनिक आधार पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान किया जा रहा है। परामर्श के अलावा विभाग द्वारा विभिन्न सुविधाएं जैसे प्लास्टर और विभिन्न प्रकार के फैक्चर के लिए कास्ट एप्लिकेशन तथा मामूली प्रक्रियाओं के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

नैदानिक गतिविधि

बाह्य रोगी विभाग	2019-2020
नया	8934
पुराना	12871
पुरुष	9553
महिला	12252
कुल	21805
ड्रेसिंग	108
प्लास्टर/कास्ट एप्लीकेशन	394
इंट्रा आर्टिकुलर/स्थानीय इंजेक्शन	119

शैक्षणिक गतिविधि

विभाग रोगियों को जीवनशैली और शारीरिक व्यायाम में बदलाव के साथ ही घुटने के दर्द और कम पीठ दर्द वाले रोगियों को अभ्यास द्वारा अवगत कर रहा हैं जो इष्टतम फंक्शन प्राप्त करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय ने 7 मार्च 2020 को रायबरेली में 5 वें रिमैकॉन 2019 में एक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने जुलाई 2019 में पुणे में हस्त शल्य चिकित्सा पर एक निर्देशात्मक पाठ्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने केजीएमसी, लखनऊ, भारत में दिसंबर 2019 में पेलेवी-एसीटैबुलर फ्रैक्चर फिक्सेशन पर कार्यशाला और फरवरी 2020 में एम्स ऋषिकेश में जेर्झेसएस (जोशी बाह्य स्थिरीकरण प्रणाली) कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार 19 अगस्त 2019 से एम्स, रायबरेली में सहायक आचार्य के रूप में काम कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान उन्होंने रायबरेली 5 वें रिमैकॉन 2019 सम्मेलन में भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने आईसीएमआर /एनआईई द्वारा आयोजित स्वयं प्लेटफॉर्म पर एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र कोर्स "जीव चिकित्सा अनुसंधान में बुनियादी पाठ्यक्रम" भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

अनुसंधान गतिविधि

प्रकाशन-

- कुमार एस., उपाध्याय जीके, कुमार ए. परिधीय इओसिनोफिलिया के साथ घुटने का निःसरण (इफ्युजन): एडियोऑपैथिक इओसिनोफिलिक सिनोव्हाइटिस को दूर करने की आवश्यकता। जे क्लिनडाइग्न आर.इ.एस.2020;14(4) : आर.डी.01-04. डी.ओ.आई.:10.7860/जे.सी.डी.आर./2020/44142/13655.

शिशु रोग विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. नमिता मिश्रा	सहायक आचार्य

परिचय

शिशु रोग विभाग बाह्य रोगी विभाग में आने वाले 15 वर्ष तक के बच्चों को गुणवत्ता और साक्ष्य आधारित देखभाल सुविधा प्रदान कर रहा है। कई दुर्लभ और जटिल विकारों का उचित रूप से निदान किया गया है। उपचार के अलावा, माता-पिता / देखभाल करने वालों को बीमारी और बीमारी की रोकथाम के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया।

नैदानिक गतिविधि

ओपीडी सांख्यिकी प्रतिवेदन (01.04.2019 से 31.03.2020 तक)

नये मामले	पुराने मामले	कुल
2516	1953	4469

अनुसंधान गतिविधि

इस अवधि के दौरान डॉ. नमिता के 3 प्रकाशन हैं और वर्तमान में दो अनुसंधान परियोजनाओं में मुख्य अन्वेषक के रूप में शामिल हैं। उन्होंने प्रतिरक्षा पर एमबीबीएस बैच के प्रथम वर्ष का ऑरिएंटेशन क्लास लिया है।

शरीर विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अंशु खन्ना	अतिरिक्त आचार्य
2	डॉ. अरबिंद चौधरी	सहायक आचार्य
3	डॉ. योगेंद्र राज सिंह	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली का हिस्सा बनने के लिए यह सबसे शानदार क्षण था। एमबीबीएस (2019-20) के पहले बैच के लिए उद्घाटन सत्र 1 सितंबर 2019 को आयोजित किया गया था, डॉ. अंशु खन्ना ने अतिरिक्त आचार्य के रूप में और डॉ. अरबिंद चौधरी तथा डॉ. योगेंद्र राज सिंह ने सहायक आचार्य के रूप में प्रवेश लिया। संकाय सदस्यों ने विभाग और शिक्षण गतिविधियों को स्थापित करने में अपना अधिकतम प्रयास किया है।

शैक्षणिक गतिविधि

शरीर विज्ञान विभाग ने 16 सितंबर 2019 को एम्स, रायबरेली में प्रारंभिक छोटे कदम उठाए। शरीर विज्ञान के लिए परिचयात्मक व्याख्यान डॉ. अंशु खन्ना द्वारा लिया गया था, जिसमें उन्होंने एम्स, रायबरेली में छात्रों का स्वागत किया और शरीर विज्ञान की रूपरेखा बताई और उन्हें उस प्रणाली से परिचित कराया जैसा वे व्यवहार करेंगे। छात्रों को धीरे-धीरे ट्यूटोरियल और लैब प्रैक्टिकल में शामिल किया गया। ट्यूटोरियल और संगोष्ठी में छात्रों की भागीदारी उत्साहपूर्वक थी। प्रत्येक दिन वे नए लैब प्रैक्टिकल सीखने के इच्छुक थे। शरीर विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने यह सुनिश्चित किया कि रुचि और उत्साह एक छमाही से दूसरे में जारी रहे। विषय के बारे में अपनी समझ का मूल्यांकन करने के लिए छात्रों को समय-समय पर इकाई परीक्षण आयोजित किया गया था।

कुल	
व्याख्यान	127
ट्यूटोरियल	19
प्रैक्टिकल	44
संगोष्ठी	19

शल्य चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अमित गुप्ता	सहायक आचार्य

परिचय

ओ.पी.डी. में सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग 1 नवंबर 2019 से शुरू हुआ।

नैदानिक गतिविधि

- नवंबर 2019 से 31 मार्च 2020 तक सामान्य सर्जरी विभाग में 1610 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जिसमें नए मामले 955 और पुराने मामले 655 थे।
- विभाग में 328 छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं की गईं।
- हम बहुत जल्द ओ.पी.डी. और आई.पी.डी. सेवाएं शुरू करने की प्रक्रिया में हैं।

अनुसंधान गतिविधि:

इस अवधि के दौरान डॉ. अमित गुप्ता (सहायक आचार्य) के एक प्रकाशन है।

उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संकाय को सीनियर रेजिडेंट, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा सहायता प्रदान की गई।

प्रशासन

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री सरोज कुमार सिंह	उप निदेशक (प्रशासन)
2	श्री समीर शुक्ला	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

सामान्य प्रशासन में कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मामले और संस्थान की स्थापना, सुरक्षा, संपत्ति मामले, भंडार, सतर्कता और सार्वजनिक संबंध शामिल हैं। कर्मचारी की नियुक्ति, समितियों की बैठक की व्यवस्था, प्रबंधन और कर्मचारी कल्याण सहित स्थापना अनुभाग और प्रशासन से संबंधित सभी मामलों की देखभाल एम्स, रायबरेली प्रशासन द्वारा की जाती है।

वित्त और लेखा

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री कुमार अभय, आईएएस	वित्तीय सलाहकार
2	श्री विशाल कुमार	लेखाधिकारी

वित्त और लेखा अनुभाग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन वातावरण के साथ स्थापित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2019-20 का वित्तीय विवरण को सी एंड एजी कार्यालय द्वारा संकलित और लेखा परीक्षण किया गया है। वित्तीय विवरण और अलग लेखा परीक्षण (एस.ए.आर.) की प्रति संलग्न है।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संस्थान की वित्तीय आवश्यकता को पूरा करने के लिए और परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए पर्याप्त अनुदान जारी किया है।

इस वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, लेखा अनुभाग ने निम्न उपलब्धियाँ हासिल की हैं:-

- नियोक्ता और कर्मचारी योगदान प्रेषण के लिए एनएसडीएल के साथ एनपीएस पंजीकरण।
- संस्थान की आय में छूट के लिए आयकर प्राधिकरण के साथ 12 एए संस्थान का पंजीकरण।
- भर्ती आवेदन शुल्क और अन्य प्राप्तियों की ऑनलाइन रसीद के लिए एसबीआई-कलेक्ट का कार्यान्वयन।
- पीएफएमएस के माध्यम से पेरोल सहित भुगतान का पूरा स्विचन।
- दैनिक गतिविधियों में दक्षता और प्रभावशीलता लाने के लिए संसाधनों और आईटी बुनियादी ढांचे का इष्टतम उपयोग।

नर्सिंग विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री रवि बिश्नोई	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी

नर्सिंग विभाग का नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक द्वारा किया जाता है। विभाग में एक वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी और पाँच नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

कर्मचारी विकास और शैक्षिक गतिविधियाँ:

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी की प्रमुख भूमिकाओं में से एक इसके अधीनस्थ कर्मचारी का व्यावसायिक विकास है। इसका उद्देश्य अपने सभी कर्मचारियों के कौशल, योग्यता, दक्षता और समग्र प्रदर्शन में सुधार करना है, जिसे सेवा शिक्षा और नर्सिंग कर्मियों और अस्पताल परिचारकों की प्रेरणा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जो बेहतर रोगी देखभाल प्रदान करने में मदद करता है।

अन्य:

- माइनर ओटी / प्रक्रिया कक्ष सफलतापूर्वक चल रहा है और कुल 3599 रोगियों को इसकी सेवाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया है।
- कुल 3743 रोगियों ने नर्सिंग अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई ईसीजी सेवाएं प्राप्त की हैं।
- संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और जीव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के बारे में स्वास्थ्य शिक्षण सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।

रेडियो नैदानिक विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	तान्या श्रीवास्तव	रेडियोग्राफर

रेडियो नैदानिक विभाग वर्तमान में रोगियों को एक्स-रे सुविधाएं प्रदान कर रहा है। यह विभाग दो रेडियोग्राफर और एक अस्पताल परिचर द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है।

कर्मचारी विकास और गतिविधियाँ :-

सभी विभागीय कर्मचारी सक्रिय रूप से रोगियों की जाँच में लगे हुए हैं और अच्छी गुणवत्ता वाले रेडियोग्राफ प्रस्तुत कर रहे हैं। विभाग रेडियोग्राफ के लिए मेडिसिन, हड्डी रोग, कान, नाक एवं गला विभाग, शिशु रोग, जनरल सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग जैसे अन्य विभागों से आने वाले मरीजों की जाँच करता है, जो बीमारी के उचित निदान में मदद करता है। जरूरत के आधार पर नियमित एक्स-रे किए जाते हैं। विभाग रेडियोग्राफ के लिए हाई फ्रीक्वेंसी 400 एम.ए. एलीग्रेन मार्स 30 मशीन से सुसज्जित है।

कुल जाँच :-

01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक ओ.पी.डी. में लगभग 9000 एक्स-रे किए गए हैं।

छात्रावास

इस संस्थान में छात्रावास जीवन का एक अनिवार्य घटक है, जिसमें छात्र, कर्मचारी और संकाय एक ही परिसर में रहते हैं। छात्रावास में छात्रों को पर्याप्त समय मिलने से वे अस्पताल में आवश्यक कौशल प्राप्त करने हेतु पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का उपयोग कर पाते हैं जो केवल अनुभव द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

लड़के और लड़कियों का छात्रावास सुविधाजनक स्थान पर स्थित हैं और छात्रों को दिन भर की मेहनत और पढ़ाई के बाद लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। यह छात्रों को अपने सहयोगियों के साथ बातचीत करने, दोस्त बनाने, स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने, अच्छे इंसान बनने और दैनिक जीवन के दबावों का सामना करने की अनुमति देता है। छात्रावास में प्रत्येक छात्र के लिए अकेले रहने की व्यवस्था जिसमें खाट, अध्ययन हेतु मेज, कुर्सी उपलब्ध है। छात्रावास अच्छी तरह से वाई-फाई सुविधा से सुसज्जित हैं और प्रत्येक मंजिल पर शुद्ध पेयजल प्रणाली की सुविधा है। 28 अगस्त, 2019 को उद्घाटन समारोह के साथ छात्रों का स्वागत किया गया।

छात्रों ने फ्रेशर्स पार्टी, लोहड़ी उत्सव, सरस्वती पूजा और होली मिलन का आयोजन किया।

लड़के का छात्रावास -	प्रबंधक	-	डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी
	प्रबंधक का सहायक	-	डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल
लड़कियों का छात्रावास -	प्रबंधक	-	डॉ. अंशु खन्नी
	प्रबंधक का सहायक	-	डॉ. अन्नया सोनी
			डॉ. शुभांगी यादव

अभियांत्रिकी विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	प्रवीण कुमार सिंह	ए.ई. (विद्युत)
2	धर्मेन्द्र भारद्वाज	जे.ई. (सिविल)
3	पवन कुमार	जे.ई. (आर.ए.सी.)

अभियांत्रिकी विभाग वर्तमान में एक अधीक्षण अभियंता (अतिरिक्त प्रभार) के नेतृत्व में है और एक सहायक अभियंता (विद्युत) और दो कनिष्ठ अभियंता (सिविल, आरएसी) द्वारा जुड़ा हुआ है। अभियांत्रिकी विभाग को आठ आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा सेवाएं प्रदान करने और अनुशासन बनाए रखने के लिए विधिवत् समर्थन प्राप्त है।

अभियांत्रिकी विभाग विभिन्न प्रकार की सेवाएं और सहायता प्रदान करता है, जिसमें आवासीय परिसर, छात्रावास, अस्थायी ओपीडी का नियमित रखरखाव शामिल है।

यहाँ दी जाने वाली सेवाओं में वातानुकूलन का संचालन और रखरखाव, विद्युत प्रणाली, अस्थायी ओपीडी और आवासीय ब्लॉक के निर्माण आदि सुविधाएं शामिल हैं।

एम्स, रायबरेली को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक अलग 11 के.वी. डेडीकेटेड फीडर उपलब्ध है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्रीमती रंजीत कaur	क्रमादेशक (प्रोग्रामर)

वर्ष 2018 में आई.टी. अनुभाग की स्थापना सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों का उपयोग करके रोगियों और कर्मचारियों से संबंधित सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता लाने के वृष्टिकोण के साथ की गई थी। आई.टी. अनुभाग की प्रमुख जिम्मेदारी सभी विभागों को तकनीकी सहायता सेवाएं प्रदान करना है। एक आउटसोर्स कर्मचारी आई.टी. अनुभाग से जुड़ा है।

मुख्य गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1. एच.एम.आई.एस. एवं क्यू.एम.एस.

- रोगी स्वास्थ्य सेवा के लिए, क्लिनिकल सर्विसेज मॉड्यूल्स यानी बाह्य रोगी पंजीकरण, लैब जांच, रोगी बिलिंग, आदि को सीडीएसी, नोएडा के सहयोग से ई-सुश्रुत एच.एम.आई.एस. सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुगम बनाया गया है। निर्णय समर्थन के एक हिस्से के रूप में उच्च अधिकारियों के लिए एच.एम.आई.एस. में पैरामीटरयुक्त डैशबोर्ड विकसित किए जा रहे हैं।
- अस्थायी ओ.पी.डी. में टोकन के माध्यम से रोगी पंजीकरण के लिए कतार प्रबंधन प्रणाली (क्यू.एम.एस.) शुरू की गई है और एच.एम.आई.एस. के साथ एकीकृत है।

2. आधिकारिक वेबसाइट का विकास

- संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट व्यापक सार्वजनिक जनसांख्यिकीय प्रसार के लिए डिजाइन और विकसित की गई है।

3. इंटरनेट सेवाएं

- डी2 ब्लॉक और छात्रावास में कुछ एफ.टी.टी.एच. संयोजन के साथ इंटरनेट सेवाओं के लिए अस्थायी ओ.पी.डी. भवन में दो इंटरनेट लीजड लाइन कनेक्शन यानी बीएसएनएल और नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) को कार्यात्मक बनाया गया है।

4. सीपीपी पोर्टल पर एम्स, रायबरेली का ऑन-बोर्डिंग

- सीपीपी पोर्टल का उपयोग व्यापक सार्वजनिक डोमेन पर निविदाओं को प्रकाशित करने के लिए किया गया है।

औषधालय

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	आलोक कुमार शुक्ला	औषध विक्रेता

वर्तमान में औषधालय एक औषध विक्रेता और दो वितरण परिचारक की सेवाओं के साथ कार्यरत है।

कार्य:

औषधालय दवाओं और ड्रेसिंग सामग्री की खरीद और वितरण के लिए जिम्मेदार है। अस्पताल के औषधालय ने अमृत फार्मसी (एच.एल.एल. लाइफकेटर लिमिटेड की एक इकाई) के साथ अनुबंध के माध्यम से अनुमोदित दवा की खरीद की व्यवस्था एम्स, रायबरेली के लिए की है। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद औषधालय विभिन्न विभागों के लिए दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की मुफ्त व्यवस्था के लिए रोगियों को अनुमोदित आवश्यक दवाएँ वितरित कर रही है।

आंकड़े (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक)

कुल मरीजों की सेवा	लगभग 90000
कुल दवा लागत	लगभाग 9 लाख रु.

स्वागत कक्ष / चिकित्सा अभिलेख विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	विजय कुमार	स्वागती

स्वागत कक्ष का नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक द्वारा किया जाता है। यहां एक स्वागती और पांच चिकित्सा अभिलेख कर्मचारी के द्वारा सहायता प्रदान किया जा रहा है।

कर्मचारी विकास और गतिविधियाँ:-

स्वागत कक्ष अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए संपर्क करने का पहला बिंदु है। हम पंजीकरण, जांच (मौखिक/टेलीफोनिक), परामर्श और विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए शुल्क एकत्र करके रोगी की सेवा करते हैं।

अन्य:-

1. टोकन वितरण
2. रोगी पंजीकरण
3. शुल्क संग्रह

सुरक्षा और स्वच्छता विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	अजय कुमार	सहायक सुरक्षा अधिकारी

सुरक्षा और स्वच्छता विभाग वर्तमान में चिकित्सा अधीक्षक द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। यह कार्य को एक सहायक सुरक्षा अधिकारी द्वारा देखा जाता है और विभिन्न विषयों में सेवाएं प्रदान करने और बनाए रखने के लिए दो सुरक्षा पर्यवेक्षक और 53 चौकी गार्ड तथा 23 स्वच्छता कार्यकर्ताओं द्वारा विधिवत समर्थन किया जा रहा है। विभाग ने एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. द्वारा जारी किए गए सफाई दिशानिर्देशों को अनुकूलित किया है।

यहां दी जाने वाली सेवाओं में भवन की सफाई का रख-रखाव, अस्थायी ओपीडी और आवासीय ब्लॉक की रखवाली शामिल हैं।









लेखा-विवरण

2019-20



अधिकाल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली
मुंशीगंज, डलमऊ रोड, रायबरेली – 229405

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)			
31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र			
राशि (रुपये में)			
विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
समग्र / पूँजी निधि तथा देनदारी			
समग्र / पूँजी निधि	1	3,00,10,30,862.00	37,18,983.00
संरक्षित और आधिक्य	2	1.00	1.00
निर्धारित/बंदोबस्ती/समग्र निधि	3	52,89,42,294.48	15,81,96,475.81
सुरक्षित ऋण और उधार	4	1,71,04,40,527.00	47,28,45,753.00
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देनदारी	6	-	-
चालू देनदारी और प्रावधान	7	6,66,04,515.96	1,36,81,162.00
कुल		5,30,70,18,200.44	64,84,42,374.81
परिसंपत्ति			
अचल परिसंपत्ति - शुद्ध खण्ड	8	4,37,92,55,615.00	39,50,24,032.00
निवेश - निर्धारित / बंदोबस्ती कोष से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
चालु परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	92,77,62,585.44	25,34,18,342.81
फुटकर खर्च - प्रासंगिक		-	-
(कुछ हद तक लिखा या समायोजित नहीं)			
कुल		5,30,70,18,200.44	64,84,42,374.81
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	24		
आकस्मिक देनदारी और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		
स्थान : रायबरेली			
स्थान :			
(विशाल कुमार) लेखाधिकारी	(कुमार अभय, आईएएस) वित्तीय सलाहकार	(प्रो. अरविंद राजवंशी) अधिशासी निदेशक	

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)			
31-03-2020 तक समाप्त हुए वर्ष के आय और व्यय का लेखा			
राशि (रुपये में)			
विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
आय			
बिक्री / सेवा से आय	12	31,42,535.00	13,58,570.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	11,45,90,334.33	5,26,84,541.19
शुल्क / अंशदान	14	5,58,190.48	-
निवेश से आय (निवेश से आय)	15	-	-
धनराशि हस्तांतरित / अंतिम संचित निधि		-	-
राजसी, प्रकाशन से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	1,69,46,573.00	16,82,261.00
अन्य आय	18	9,41,490.00	5,92,602.00
तैयार माल और डब्ल्यूआईपी की वृद्धि / कमी	19	-	-
कुल (आ)		13,61,79,122.81	5,63,17,974.19
व्यय			
स्थापना व्यय	20	9,14,35,906.00	3,26,46,143.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	4,21,60,491.81	2,31,13,116.19
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	-	-
मूल्यहास (वर्ष के अंत में शुद्ध कुल अनुसूची-8 के अनुरूप)		25,82,725.00	5,58,715.00
कुल (आ)		13,61,79,122.81	5,63,17,974.19
व्यय से अधिक आय का संतुलन होना	(आ-आ)	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)			
सामान्य रिजर्व से / के लिए स्थानांतरण		-	-
शेष अधिशेष / (घाटा) समग्र / पूँजी निवेश में ले जाया गया		-	-
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	25		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	26		
स्थान: रायबरेली			
दिनांक :			
(विशाल कुमार)	(कुमार अभय, आईएएस)	(प्रो. अरविंद राजवंशी)	
लेखाधिकारी	वित्तीय सलाहकार	अधिशासी निदेशक	

		चिकित्सा प्रतिपूर्ति	8,14,613.00	84,020.00
		अधिगम संसाधन भत्ता	25,22,336.00	6,32,898.00
		समाचार पत्र भत्ता	84,911.00	-
		टेलीफोन प्रतिपूर्ति	1,13,520.00	-
		एनएसडीएल को भुगतान	1,32,17,100.00	
		पीएओ -कार्यालय	3,550.00	
		जीएसटी- टीडीएस भुगतान	51,231.00	
		निश्चित संपत्तियों पर खर्च		
		फर्नीचर और फिक्सचर	4,29,429.00	9,47,830.00
		दफतर के उपकरण	18,52,144.00	6,78,067.00
		वाहन	-	10,31,105.00
		अस्पताल के उपकरण	12,72,566.00	1,60,171.00
		कंप्यूटर सहायक उपकरण	48,17,489.00	14,34,819.00
		पुस्तकालय की पुस्तक	1,86,980.00	
		ऋण भुगतान		
		पीजीआई चण्डीगढ़	-	3,04,19,000.00
		हेफा मूल ऋण भुगतान	52,50,00,000.00	
		हेफा ऋण ब्याज भुगतान	5,60,89,474.00	
		परियोजना व्यय		
		परियोजना व्यय	2,55,310.00	
		एचएबएल लाइफकेयर लिमिटेड (अमृत फार्मसी)	15,45,535.00	
		समीर शुक्ला (पेशगी)	50,000.00	
		एओ कैश टीडीएम बीएसएनएल	6,69,626.00	
		संस्थान का समापन राशि		
		नकद	-	
		मुख्य खाता (एसबीआई-37836546058)	26,55,70,387.28	16,86,59,223.81
		टीडीएस खाता (एसबीआई-38040069713)	-	51,231.00
		केनरा बैंक एस्क्रो खाता	26,96,75,314.00	10,00,000.00
		रसीद लेखा (एसबीआई-39197421390)	3,01,923.52	-
		परियोजना लेखा (एसबीआई-38276861022)	34,94,690.00	
कुल	1,25,55,71,347.61	24,68,36,287.00	1,25,55,71,347.61	24,68,36,287.00

स्थान : रायबरेली

दिनांक :

(विशाल कुमार)
लेखाधिकारी

(कुमार अभ्यं, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार

(प्रो. अरविंद राजवंशी)
अधिशासी निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)				
31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची				
राशि (रुपये में)				
विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
<u>अनुसूची-1 अ कॉर्पस/ पूँजी भंडार -</u> वर्ष की शुरुआत में शेष राशि समग्र / पूँजी भंडार का योगदान जोड़/(कमी): आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय/ (व्यय) का संतुलन	-	-	-	-
<u>अनुसूची-1 आ कॉर्पस / पूँजी भंडार</u> वर्ष की शुरुआत में शेष राशि जोड़: पूँजी परिसंपत्तियाँ निधि की तरफ से योगदान कम: आय और व्यय खाते से हस्तांतरित जमा	37,18,983.00 86,05,140.00 25,82,725.00	97,41,398.00	42,77,698.00 5,58,715.00	37,18,983.00
<u>अनुसूची-1सी पूँजी परिसंपत्तियाँ डब्ल्यू.आई.पी. निधि -</u> वर्ष की शुरुआत में शेष राशि पूँजी परिसंपत्तियाँ डब्ल्यू.आई.पी. निधि (एमओएचएफडब्ल्यू) की तरफ से योगदान पूँजी परिसंपत्तियाँ डब्ल्यू.आई.पी. निधि (हेफा) की तरफ से योगदान पूँजी परिसंपत्तियाँ डब्ल्यू.आई.पी. निधि की तरफ से योगदान (हेफा ब्याज) जोड़/(कमी): आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय/ (व्यय) का संतुलन	2,41,02,00,000.00 52,50,00,000.00 5,60,89,464.00	-	-	-
माह के अंत में शेष राशि (कुल 1ए से 1सी)		3,00,10,30,862.00		37,18,983.00
<u>अनुसूची - 1 डी पूँजी भंडार-परियोजना</u> प्रारंभिक शेष राशि वर्ष के दौरान कुल स्थानांतरण कम : मूल्यहास राशि स्थानांतरण अनुसूची-13 (एएस-12) के लिए	-	-	-	-
माह के अंत में शेष राशि (कुल 1डी)		-	-	-
कुल (1ए से 1डी)		3,00,10,30,862.00		37,18,983.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)					
31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची					
विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष		राशि (रुपये में)
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	
अनुसूची-2 (रिजर्व और अतिरिक्त)					
1. संपत्ति कोष					
पिछले खाते के अनुसार	1.00		-		
जोड़ : वर्ष के दौरान परिवर्धन (भूमि का नाममात्र मूल्य)			1.00		
कम : वर्ष के दौरान कटौती		1.00	-		1.00
वर्ष के अंत में शेष राशि		1.00			1.00
2. आरक्षित पूनर्मूल्यांकन					
पिछले खाते के अनुसार			-		
जोड़ : वर्ष के दौरान परिवर्धन			-		
कम : वर्ष के दौरान कटौती			-		-
वर्ष के अंत में शेष राशि					-
3. विशेष रिजर्व					
पिछले खाते के अनुसार			-		
जोड़ : वर्ष के दौरान परिवर्धन			-		
कम : वर्ष के दौरान कटौती			-		-
वर्ष के अंत में शेष राशि					-
4. सामान्य रिजर्व					
पिछले खाते के अनुसार			-		
जोड़ : वर्ष के दौरान परिवर्धन			-		
कम : वर्ष के दौरान कटौती			-		-
वर्ष के अंत में शेष राशि					-
कुल (1 से 4)		1.00			1.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)
31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची-3 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि				
I. वेतन के लिए अनुदान में सहायता				
अ) कोष का बैलेंस खोलना	8,73,53,857.00	-	-	-
आ) निधि के अतिरिक्त:	11,00,00,000.00		12,00,00,000.00	
कम: वर्ष के दौरान स्थापना व्यय (अनुसूची-20)	9,14,35,906.00	10,59,17,951.00	3,26,46,143.00	8,73,53,857.00
II. सामान्य के लिए अनुदान में सहायता				
अ) कोष का बैलेंस खोलना	2,01,20,316.81		-	
आ) जीआईए के खाते में धनराशि का परिवर्धन:	9,05,97,358.00		3,96,00,000.00	
इ) आंतरिक प्राप्ति / कमाई (अनुसूची 12+14+17+18)	2,15,88,788.48		36,33,433.00	
कम: वर्ष के दौरान अस्पताल और प्रशासन का खर्च (अनुसूची-21)	4,21,60,491.81	9,01,45,971.48	2,31,13,116.19	2,01,20,316.81
III. पंजी निर्माण के लिए अनुदान में सहायता				
अ) कोष का बैलेंस खोलना	5,07,22,302.00		-	
आ) निधि के अतिरिक्त:	2,48,00,000.00		5,50,00,000.00	
कम: वर्ष के दौरान पंजीगत व्यय (अनुसूची-8)	86,05,140.00	6,69,17,162.00	42,77,698.00	5,07,22,302.00
IV. हेफा क्रण (मूलधन) के लिए अनुदान में सहायता				
अ) कोष का बैलेंस खोलना	78,75,00,000.00			
आ) निधि के अतिरिक्त:	52,50,00,000.00	26,25,00,000.00		
कम: वर्ष के दौरान पंजीगत व्यय (अनुसूची-1बी)				
V. हेफा क्रण (अग्रिम) के लिए अनुदान में सहायता				
अ) कोष का बैलेंस खोलना	5,60,89,464.00			
आ) निधि के अतिरिक्त:	5,60,89,464.00			
कम: वर्ष के दौरान पंजीगत व्यय (अनुसूची-1बी)				
कुल (I+II+III+IV+V)		52,54,81,084.48		15,81,96,475.81

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3(VI) - परियोजना का खाता

राशि (रुपये में)

परियोजनाएं	प्रायोजक प्राधिकारी	01.04.2019 के अनुसार शेष राशि	पावती	कुल	खर्च	31.03.2020 के अनुसार शेष राशि
जीएपी-डीएचआर-19-001	मानव संसाधन और क्षमता विकास	-	20,00,000.00	20,00,000.00	7,342.00	19,92,658.00
जीएपी-एसईआरबी-19-002	विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड	-	17,50,000.00	17,50,000.00	2,81,448.00	14,68,552.00
	कुल		37,50,000.00	37,50,000.00	2,88,790.00	34,61,210.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 4 <i>(सुरक्षित ऋण और उधार)</i>				
1) केंद्र सरकार		-		-
2) राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3) वित्तीय संस्थाए				
अ) सावधि ऋण (हेफा ऋण)	1,71,04,40,527.00		47,00,00,000.00	
आ) ब्याज देय	-	1,71,04,40,527.00	28,45,753.00	47,28,45,753.00
4) अन्य संस्थानों और एजेंसियों		-		-
5) डिबंगर और बॉड		-		-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल	1,71,04,40,527.00			47,28,45,753.00
अनुसूची- 5 <i>(असुरक्षित ऋण और उधार)</i>				
1) केंद्र सरकार		-		-
2) राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3) वित्तीय संस्थाए		-		-
4) बैंक		-		-
अ) अवधि ऋण	-		-	-
आ) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-		-	-
5) अन्य संस्थानों और एजेंसियों		-		-
6) डिबंगर और बॉड		-		-
7) निश्चित जमा		-		-
8) अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल		-		-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 6 (स्थगित क्रेडिट देयताएं)	-	-	-	-
आ) पूँजी उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों के हाइपोथेकेशन द्वारा सुरक्षित स्वीकृति	-	-	-	-
आ) अन्य				
कुल		-		-
अनुसूची - 7 (वर्तमान देयताएं और प्रावधान)				
आ. वर्तमान देनदारियां				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध लेनदार:				
आ) सामान के लिए	-	-	-	-
आ) अन्य				
3. अग्रिम प्राप्त (कृष्णा इंटरप्राइजेज)	13,098.00	13,098.00		
4. अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं:				
आ) सुरक्षित ऋण / उधार	2,77,84,216.00	2,77,84,216.00		
आ) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-		
5. वैधानिक दायित्व:				
आ) अतिदेय				
आ) अन्य टीडीएस 92बी, 92सी और जीएसटी-टीडीएस	3,09,831.00	3,09,831.00	61,661.00	61,661.00
6. अन्य चालू देनदारियां				
a) प्रतिभूति जमा	39,294.00			
b) सुरक्षा शुल्क (वापसी योग्य)	80,000.00			
c) छात्र शुल्क देय	58,560.00			
d) हेफ सीएलटीडी ब्याज	1,57,54,088.96	1,59,31,942.96		
कुल (आ)		4,40,39,087.96		61,661.00
आ. प्रावधान				
1. कराधान के लिए	-			
2. उपदान	52,36,300.00			
3. सेवानिवृत्ति / पेंशन	-			
4. संचित अवकाश नकदीकरण	58,11,428.00	16,30,908.00		
5. व्यापार वारंटी / दावा	-			
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-			
आ) वेतन देय (अनुबंध-1 के अनुसार)	74,51,965.00	42,76,026.00		
आ) देय व्यय (अनुबंध-1 के अनुसार)	31,17,184.00			
इ) एनएसडीएल	9,48,551.00	2,25,65,428.00	77,12,567.00	1,36,19,501.00
कुल (आ)		2,25,65,428.00		1,36,19,501.00
कुल (आ+आ)		6,66,04,515.96		1,36,81,162.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)									
31.03.2020 तक तुलन-पत्र एक भाग के रूप में अनुसूची									
अनुसूची-8 अचल संपत्तियाँ (रुपये में)				राशि					
विवरण	वर्ष की शुरुआत में लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्तन विलोपन	वर्ष के अंत में मूल्य/ मूल्यांकन	% शुरुआत में	वर्ष की वर्ष के दौरान जोड़ने पर कटौती पर	वर्ष के दौरान कटौती पर तक कुल	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
		6 माह पूर्व	6 माह बाद						
अ. अचल संपत्ति				1.00	-	-	-	-	1.00
1.भूमि	1.00	-	-	-	-	-	-	-	-
2.इमारतें	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.अस्पताल के उपकरण	1,60,171.00	-	12,72,566.00	-	14,32,737.00	15	13,805.00	1,17,397.00	1,31,202.00
4.वाहनों	10,20,896.00	-	-	-	10,20,896.00	30	1,53,134.00	2,60,329.00	4,13,463.00
5.फर्निचर, फिक्स्ड वर	9,62,273.00	3,26,641.00	95,108.00	-	13,84,022.00	10	48,114.00	1,28,835.00	1,76,949.00
6.दमस्तर के उपकरण	6,78,067.00	14,90,852.00	3,61,292.00	-	25,30,211.00	15	52,404.00	3,44,574.00	3,96,978.00
7.कंप्यूटर सहायक उपकरण	14,56,290.00	12,69,206.00	36,02,495.00	-	63,27,991.00	40	2,91,258.00	16,94,194.00	19,85,452.00
8.प्रस्तकालय की किताबें	-	1,86,980.00	-	-	1,86,980.00	40	-	37,396.00	37,396.00
9.विद्युत अधिकापन	-	-	-	-	-	-	-	-	1,49,584.00
10.अन्य निश्चयत संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	42,77,698.00	30,86,699.00	55,18,441.00	-	1,28,82,838.00	-	5,58,715.00	25,82,725.00	-
									31,41,440.00
पिछला वर्ष									97,41,398.00
पूँजी कार्य प्रगति पर है	39,13,05,049.00		3,97,82,09,168.00		4,36,95,14,217.00				4,36,95,14,217.00
कुल	39,55,82,747.00	30,86,699.00	39,782,09,168.00						39,13,05,049.00
									4,37,92,55,615.00
									39,50,24,032.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)		
31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची		
विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 9 <u>(निर्धारित/ बंदोबस्ती निधि से निवेश)</u>		
1) सरकारी प्रतिभूतियों में 2) अन्य प्रतिभूति को मंजूरी 3) हिस्सा 4) डिबंचर और बांड 5) सहायक और संयुक्त उद्यम 6) अन्य (निर्दिष्ट करने के लिए)	- - - - - -	- - - - - -
कुल	-	-
अनुसूची - 10 <u>(अन्य निवेश)</u>		
1) सरकारी प्रतिभूतियों में 2) अन्य प्रतिभूति को मंजूरी 3) हिस्सा 4) डिबंचर और बांड 5) सहायक और संयुक्त उद्यम 6) अन्य (निर्दिष्ट करने के लिए)	- - - - - -	- - - - - -
कुल	-	-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 11 (वर्तमान संपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि)				
अ. वर्तमान संपत्तियां				
1. सूची				
अ) भंडार और पुर्जों	6,52,769.00		5,00,108.00	
आ) ढीले उपकरण	-		-	
इ) बिक्री के लिए सामग्री				
खन्म सामग्री	-		-	
कार्य प्रगति पर	-		-	
कच्चा सामग्री	-	6,52,769.00	-	5,00,108.00
2. विविध देनदारः				
अ) एक अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-	
छह महीने से अधिक				
आ) अन्य	-		-	
3. हाथ में नकदी रुपये				
(चेक / ड्राफ्ट और इन्प्रेस्ट सहित)				
4. बैंक बैलेंसः				
अ) अनुसूचित बैंकों के साथः				
- चालू खातों पर				
एसबीआई टीडीएस खाता- 38040069713	-		51,231.00	
एसबीआई पावती खाता -39197421390	3,01,923.52			
एसबीआई चालू खाता-37836546058	26,55,70,387.28		16,86,59,223.81	
केनरा बैंक एस्क्रो खाता (015)	26,96,75,314.00		10,00,000.00	
एसबीआई परियोजना खाता-38276861022	34,94,690.00			
- जमा खातों पर				
(जिसमें लाभ राशि शामिल है)				
- बचत खातों पर	-	53,90,42,314.80	-	16,97,10,454.81
आ) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथः				
-चालू खातों पर	-		-	
-जमा खातों पर	-		-	
-बचत खातों पर	-		-	
5. डाक घर - बचत खाते				
कुल (अ)		53,96,95,083.80		17,02,10,562.81

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 11 (वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि)				
आ. अग्रिम ऋण और अन्य संपत्ति				
1. ऋण				
अ) कर्मचारी	-	-	-	-
आ) अन्य संस्थाएं गतिविधियों में लगी हुई हैं/ इकाई के समान उद्देश्य	-	-	-	-
इ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
2. अग्रिम या अन्य राशियां नकद या किस्त में प्राप्त की जा सकती हैं				
अ) पूंजी खाता पर	-	-	-	-
आ) पूर्वभुगतान	-	-	-	-
इ) बीएसएनएल को अग्रिम	7,16,928.00		18,623.00	
ई) एचएससीसी	36,00,00,000.00			
3) अन्य	16,23,415.00	36,23,40,343.00	8,15,40,704.00	8,15,59,327.00
3. अर्जित आयः				
अ) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	-	-	-	-
आ) निवेश-एसबीआई सीएलटीडी ब्याज पर	1,54,53,588.68		14,69,982.00	
इ) निवेश-केनरा बैंक सीएलटीडी ब्याज पर	85,78,774.96			
ई) ऋण और अग्रिम पर	-		-	
उ) अन्य	-	2,40,32,363.64	-	14,69,982.00
(अधोषित रूप से आय शामिल है-रु. में.....)				
4. प्राप्य का मांग	-	-	-	-
5. टीसीएस	-		10,209.00	
6. सीएलटीडी ब्याज पर टीडीएस	16,94,795.00	16,94,795.00	1,68,262.00	1,78,471.00
कुल (आ)		38,80,67,501.64		8,32,07,780.00
कुल (अ+आ)		92,77,62,585.44		25,34,18,342.81

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)
31.03.2020 तक आय एवं व्यय लेखा के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष (रुपये)	पूर्व वर्ष (रुपये)
अनुसूची - 12 (बिक्री/सेवाओं से आय)		
1. बिक्री से आय		
अ) तैयार सामान की बिक्री	-	-
आ) कच्चे सामान की बिक्री	-	-
इ) स्क्रैप की बिक्री	-	-
2. सेवाओं से आय		
अ) पंजीकरण शुल्क और लैब परीक्षण शुल्क	31,42,535.00	13,58,570.00
आ) व्यवसायिक/परामर्श शुल्क	-	-
इ) एजेंसी आयोग और दलाली	-	-
ई) रखरखाव सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-
उ) अन्य	-	-
कुल	31,42,535.00	13,58,570.00
अनुसूची- 13 (अनुदान/सब्सिडी)		
(अचल अनुदान और सब्सिडी प्राप्त हुई)		
1. केंद्र सरकार -		
अ) अनुदान में सहायता (वैतन के लिए)	9,14,35,906.00	3,26,46,143.00
आ) अनुदान में सहायता (सामान्य के लिए)	2,05,71,703.33	1,94,79,683.19
इ) अनुदान में सहायता (पूँजीगत संपत्ति के सृजन में मूल्यहास)	25,82,725.00	5,58,715.00
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी संस्थाएं (परियोजना)	-	-
4. संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	11,45,90,334.33	5,26,84,541.19
अनुसूची- 14 (शुल्क/अंशदान)		
1. एमबीबीएस शुल्क	2,12,800.00	-
2. वार्षिक शुल्क/अंशदान	-	-
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परामर्श शुल्क	-	-
5. भर्ती आवेदन शुल्क	3,45,390.48	-
6. अन्य	-	-
कुल	5,58,190.48	-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)						
31.03.202 तक समाप्त होते वर्ष के लिए तुलन-पत्र के एक शाग के रूप में अनुसूची						
विवरण	चिह्नित पूँजी से निवेश		चिह्नित पूँजी से निवेश		निवेश-अन्य	
	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची- 15 (निवेश से आय)						
1. ब्याज	-	-	-	-	-	-
अ. सरकारी						
प्रतिभूतियों पर						
आ. अन्य बांड/डिबेंचर पर	-	-	-	-	-	-
2. लाभांश						
अ. शेयरों पर	-	-	-	-	-	-
आ. म्यूचुअल फंड						
प्रतिभूति पर	-	-	-	-	-	-
3. किराया						
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)						
कुल		-	-	-	-	-
अनुसूची- 16 (राजसी, प्रकाशन आदि से आय)						
1. राजसी से आय	-	-	-	-	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-	-	-	-	-
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक समाप्त होते वर्ष के लिए तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष		राशि (रुपये में)
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	
अनुसूची- 17 (अर्जित ब्याज)					
1. सावधि पर जमा					
अ) भारतीय रिजर्व बैंक					
i) प्राप्त ब्याज	12,68,171.32			44,017.00	
ii) उपार्जित ब्याज	1,56,78,401.68			16,38,244.00	
आ) अन्य बैंक					
i) प्राप्त ब्याज	-			-	
ii) उपार्जित ब्याज	-			-	
इ) गैर-अनुसूचित बैंक के साथ					
ई) संस्थानों के साथ					
उ) अन्य		1,69,46,573.00		-	16,82,261.00
2. बैंक के बचत खाते पर					
अ) अनुसूची बैंक के साथ					
आ) गैर-अनुसूची बैंक के साथ					
इ) संस्थानों के साथ					
ई) अन्य					
3. ऋण पर					
अ) कर्मचारी/स्टाफ					
आ) अन्य					
4. देनदार और अन्य प्राप्त्य पर ब्याज					
कुल		1,69,46,573.00			16,82,261.00
अनुसूची- 18 (अन्य आय)					
अ) जमानत पत्र वसुली	4,00,000.00			4,00,000.00	
आ) निविदा शुल्क	-			11,500.00	
इ) गेस्ट हाउस का किराया	66,900.00			2,700.00	
ई) अनुजप्ति शुल्क	3,33,051.00			1,77,902.00	
उ) कैफेटेरिया का किराया	1,33,200.00			-	
ऊ) आयकर वापसी पर ब्याज	8,029.00			-	
ऋ) फूटकर आय	310.00		9,41,490.00	500.00	5,92,602.00
कुल		9,41,490.00			5,92,602.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)

31.03.2020 तक समाप्त होते वर्ष के लिए तुलन-पत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची- 19 <i>(तैयार सामग्री के स्टॉक में वृद्धि/कमी और कार्य प्रगति पर)</i>				
अ. आखरी बचा हुआ माल खत्म माल कार्य प्रगति पर	- -	- -	- -	- -
आ. कम: प्रारंभिक भण्डार खत्म माल कार्य प्रगति पर	- -	- -	- -	- -
कुल वृद्धि/(कमी) [अ-आ]		-	-	-
अनुसूची- 20 <i>(स्थापना व्यय)</i>				
अ. वेतन और मजदूरी		7,26,19,043.00		2,81,53,723.00
आ. भत्ता और बोनस		-		-
इ. नियोक्ता योगदान (एनपीएस)		51,60,911.00		20,19,902.00
ई. अन्य निधियों को योगदान (निर्दिष्ट करें)		-		-
उ. कर्मचारी कल्याण व्यय		-		-
ऊ. कर्मचारी सेवानिवृत्ति और अंतिम लाभ पर व्यय		-		-
ऋ. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
1) 20.4 शिशु शिक्षा भत्ता		2,07,000.00		-
2) 20.5 टीए/एलटीसी स्थानांतरण		3,29,726.00		1,05,006.00
3) 20.6 छुड़ी भुनाने का प्रावधान		94,65,976.00		1630908.00
5) 20.10 अधिगम संसाधन भत्ता		8,14,613.00		84,020.00
6) 20.11 समाचार पत्र भत्ता		25,22,336.00		6,32,898.00
7) 20.12 टेलीफोन प्रतिपूर्ति		84,911.00		19,686.00
		2,31,390.00		-
कुल		9,14,35,906.00		3,26,46,143.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक आय एवं व्यय लेखा के एक भाग के रूप में अनुसूची

राशि (रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची - 21		
अ) आतिथ्य व्यय		
21.आ.1 ड्रग्स और ड्रेसिंग	7,38,715.00	3,82,494.00
21.आ.2 एक्स-रे फ़िल्म्स	4,82,376.00	4,28,702.00
21.आ.3. सर्जिकल सामान	2,22,807.00	1,74,641.00
21.आ.4 इसीजी सामान	-	-
21.आ.5. रासायनिक उपभोग्य सामान	22,17,511.00	6,07,339.00
21.आ.6. कांच के बने पदार्थ/प्लास्टिक के बर्तन	5,20,764.00	66,156.00
21.आ.7. चिकित्सा गैर्सों	-	24,780.00
21.आ.8. कपड़े धोने और सीएसएसडी	16,671.00	2,533.00
21.आ.9. अस्पताल का उपभोग्य	6,16,810.00	7,18,736.00
आ) प्रशासनिक व्यय आदि		
21.आ.1 यात्रा व्यय	10,62,902.00	3,52,633.00
21.आ.1.आ यात्रा व्यय-सम्मेलन	52,068.00	94,185.00
21.आ.2 स्थानीय परिवहन/वाहन/रोगी वाहन व्यय	10,33,985.00	2,85,404.00
21.आ.3.1 विद्युत और बिजली बिल	66,97,745.00	47,38,747.00
21.आ.3.2 विद्युत और बिजली- डीजी सेट इंधन	15,45,351.00	5,88,820.00
21.आ.4 जल पर लगा प्रभार	-	-
21.आ.5 टेलीफोन और इंटरनेट का व्यय	5,84,009.00	23,75,115.00
21.आ.6 विभाग की आकस्मिकता	5,71,325.00	-
21.आ.7 छपाई और स्टेशनरी	4,73,819.00	2,01,737.00
21.आ.8 वैधानिक पंजीकरण व्यय	-	10,07,600.00
21.आ.9 बायोमेडिकल अपशिष्ट व्यय	1,22,537.00	1,12,006.00
21.आ.10 आउटसोर्स ऐनपावर	2,17,58,960.00	91,97,408.00
21.आ.11 सामान्य उपभोग्य स्टोर	2,90,876.81	1,500.00
21.आ.12 मरम्मत और रखरखाव (विद्युत)	88,779.00	35,110.00
21.आ.13 मरम्मत और रखरखाव (सिविल)	3,95,251.00	2,21,915.00
21.आ.14 मरम्मत और रखरखाव (आरएसी)	11,151.00	-
21.आ.15.1 डाक	5,967.00	2,008.00
21.आ.15.2 अखबार/विज्ञापन/पत्रिका व्यय	9,936.00	-
21.आ.15.3 विज्ञापन और प्रचार व्यय	2,17,473.00	12,05,039.00
21.आ.16 संकाय और स्टाफ की भर्ती पर व्यय	-	21,000.00
21.आ.17 गेस्ट हाउस/जिम/छात्रावास का व्यय	3,84,887.00	91,119.00
कंप्यूटर / संचार / सॉफ्टवेयर का मरम्मत और रखरखाव		
21.आ.18 का व्यय	20,37,816.00	1,24,201.00
21.आ.19 अन्य विविध	-	52,188.19
कुल	4,21,60,491.81	2,31,13,116.19

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2020 तक समाप्त होते वर्ष के आय एवं व्यय के एक भाग के रूप में अनुसूची

विवरण	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	(रुपये)	(रुपये)
अनुसूची- 22 (अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय)		
अ. संस्थान/संगठन को दिया गया अनुदान		
आ. संस्थान/संगठन को दी जाने वाली सब्सिडी	-	
कुल	-	-
अनुसूची- 23 (लाभ)		
अ. निश्चित ऋण पर		
आ. अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
इ. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	-	-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

प्रावधान (अनुसूची 7.आ का हिस्सा)

क्र. सं.	पार्टी का नाम	31-03-2020 के अनुसार शेष राशि	31-03-2019 के अनुसार शेष राशि
1	छुट्टी भुनाना	- 58,11,428.00	- 16,30,908.00
2	उपदान	52,36,300.00	-
3	वेतन देय	- 74,51,965.00	- 42,76,026.00
4	व्यय देय		
आ)	टेलीफोन प्रतिपूर्ति	1,17,870.00	-
आ)	बिजली का बिल	5,47,616.00	8,70,420.00
इ)	आउटसोर्स मैनपावर	23,51,581.00	26,04,878.00
ई)	स्थानीय परिवहन/वाहन व्यय	-	1,25,901.00
उ)	टेलीफोन और इंटरनेट	56,637.00	61,564.00
ऊ)	बायो मेडिकल अपार्शिट का खर्च	10,000.00	10,000.00
ऋ)	परियोजना मैनपावर का वेतन	33,480.00	-
ए)	एनएसडीएल एनपीएस	9,48,551.00	40,65,735.00
			40,39,804.00
			77,12,567.00
कुल		2,25,65,428.00	1,36,19,501.00

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण

अनुसूची-24

परिचय:

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.) की स्थापना के लिए 13 अगस्त 2013 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी। एम्स, रायबरेली की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार ने पहले ही सहमत 148 एकड़ भूमि में से 97.69 एकड़ भूमि को हस्तांतरित कर दिया।

पी.जी.आई चंडीगढ़ एम्स, रायबरेली का संरक्षक संस्थान है और यहां अस्थायी ओ.पी.डी. 13 अगस्त 2018 से शुरू की गई है।

1. लेखा अभिसमय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के लेखा विभाग की पुस्तकों का रखरखाव लेखांकन के आकस्मिक आधार पर किया गया है।

2. सूची मूल्यांकन

संस्थान की वस्तुसूची अर्थात् भंडार और पूर्जों के उपभोग्य सामग्रियों (रसायन, कांच के बने पदार्थ और स्टेशनरी) इत्यादि के कीमत का मूल्यांकन किया गया है।

3. स्थाई परिसंपत्तियां

3.1 स्थाई परिसंपत्तियां अधिग्रहण की ऐतिहासिक लागत, आवक माल ढुलाई, कर्तव्यों और करों को शामिल करने और अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक खर्चों पर शुरू किए जाते हैं। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय (इसके पूरा होने से पहले विशिष्ट परियोजना के लिए ऋण पर ब्याज सहित) पूँजीकृत पूँजीगत मूल्य का हिस्सा बनते हैं।

3.2 गैर-मौद्रिक अनुदान (कॉर्पस फंड की ओर के अलावा) के माध्यम से प्राप्त स्थाई परिसंपत्तियों को पूँजीगत रिजर्व के लिए इसी क्रेडिट द्वारा शुरू किए गए मूल्यों पर पूँजीकृत किया जाता है।

4. मूल्यहास

4.1 डब्ल्यू.डी.वी. के अनुसार लेखा विभाग की पुस्तकों में मूल्यहास प्रदान किया गया है। निर्दिष्ट तरीके और दरें आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार हैं।

4.2 वर्ष के दौरान संपत्तियों को जोड़ने / हटाने के संबंध में, दर के आधे हिस्से पर शुल्क लिया जाता है, जहां जोड़ / विलोपन छह महीने से कम होता है और जहां अवधि छह महीने से अधिक हो जाती है वहाँ मूल्यहास की पूरी दर वसूल की जाती है।

5. सेवानिवृत्ति लाभ

कर्मचारी को संचित अवकाश नकदीकरण लाभ के लिए प्रावधान की गणना की जाती है और यह अनुमान लगाया जाता है कि कर्मचारी प्रति वर्ष के अंत में लाभ प्राप्त करता है।

स्थान: रायबरेली

दिनांक 26/02/20

(विशाल कुमार)
लेखाधिकारी

(कुमार अभय, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार

(प्रो. अरविंद राजवंशी)
अधिशासी निदेशक

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण

अनुसूची - 25

1. आकस्मिक देयताएं

संस्थान के पास कोई भी दावों, बैंक प्रत्याभूति, ऋण पत्र, बिल छूट विवादित मांग आदि के प्रति कोई आकस्मिक देनदारियां नहीं हैं।

2. अनुदान में सहायता

सरकारी अनुदान का वसूली के आधार पर हिसाब लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, संस्थान को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पीएमएसएसवाई विभाग से 22.54 करोड़ रुपये की कुल अनुदान सहायता प्राप्त हुई है। कुल अनुदान रुपये में से 11.00 करोड़ रुपये जी.आई.ए. वेतन के तहत, 9.06 करोड़ रुपये जी.आई.ए. जनरल के तहत और 2.48 करोड़ रुपये जी.आई.ए.-पूंजी के तहत प्राप्त हुए। (अनुसूची ३ देखें)

(करोड़ में)

जी.आई.ए. हेड	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20
वेतन	12.00	11.00
जनरल	3.96	9.06
पूंजी	5.50	2.48

3. निवेश और जमा

चालू खाता में उपलब्ध निधि को कॉर्पोरेट लिक्विड टर्म डिपॉजिट (डी.एल.टी.डी.) प्रणाली में रखा जाता है।

4. अर्जित ब्याज, लेकिन अदेय

31.03.2020 के अनुसार ब्याज अर्जित हुआ लेकिन एफ.डी.आर.एस. पर 1,54,53,544.43 रुपये अदेय है।

5. कराधान

आयकर अधिनियम 1961 के तहत कर उचित आय के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है। संस्थान आयकर अधिनियम 1961 के यू.एस. 12ए.ए. को पंजीकरण संख्या सी.आई.टी.लखनऊ/12ए.ए./2019-20/ए./10496 दिनांक 30/01/2020 द्वारा पंजीकृत है।

6. व्यय देय

31.03.2020 के अनुसार 2,25,65,428.00 रुपए की देय राशि के लिए प्रावधान किया गया है।

(अनुसूची 7 (ब) देखें)

7. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम

वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम को वास्तविक लेनदेन के आधार पर तुलन-पत्र में बताया गया है।

8. अंशदायी भविष्य निधि खाता (नई पेंशन योजना)

सन्दर्भ संख्या 1 (13) / ईवी / 2001 दिनांक 13 नवम्बर 2003 के अनुसार, संस्थान नई पेंशन योजना के अंतर्गत आता है। तदनुसार, संस्थान ने पीआर. एओ./डीडीओ सं. नियोक्ता और कर्मचारी योगदान के नियमित बयान के लिए आवेदन किया है।

9. सुरक्षित ऋण और उधार

हेफा द्वारा संबंधित 525 करोड़ रुपए का टर्म लोन संदर्भ सं. एसएएन / एम्स/रायबरेली/338 / 2018-19 दिनांक 08/01/2019, हेफा और एम्स, रायबरेली के बीच दिनांक 18/02/2019 को एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था।

वित्तीय वर्ष	निधि एचएससीसी को संवितरित	मूलधन चुकाया	ब्याज
2018-19	47.00	-	0.28
2019-20	176.54	52.50	8.10

10. सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारियों को लाभ

अवकाश नकदीकरण के लिए देयता को केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार एक आकस्मिक आधार प्रदान किया गया है। अवकाश नकदीकरण प्रावधान में कर्मचारी के लिए जीआईएस योजना प्रक्रियाधीन है।

11. पूँजी निधि (दान आदि)

वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान, दान के रूप में शून्य रूपये प्राप्त हुए हैं।

12. विदेशी मुद्रा लेनदेन

वर्ष के दौरान संस्थान ने किसी भी विदेशी मुद्रा लेनदेन में प्रवेश नहीं किया है।

13. स्थाई परिसंपत्तियाँ

मंत्रालय द्वारा निष्पादित पूँजीगत परिसंपत्तियों / निर्माण कार्य को खातों के लेखा परीक्षित विवरण प्राप्त होने पर पूँजीकृत किया जाएगा। समिति की सिफारिश और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर पूँजीगत इमारतों / भवनों का पूँजीकृत किया जाएगा। हालाँकि, इसे अनुसूची-8 में कार्य प्रगति के तहत माना गया है।

14. उत्तर प्रदेश की सरकार ने 97.69 एकड़ जमीन आवंटित की है और इसे 1.00 रु. आरक्षित निधि (स्कीम-2) (1) बनाते समय निर्धारित मूल्य (अनुसूची-8) में दिखाया गया है।

15. 31.03.2020 के अनुसार अनुसूची 1 से 25 तक शेष राशि तुलन-पत्र का एक अभिन्न हिस्सा है और उस वर्ष के लिए आय और व्यय का खाता उसी दिनांक को समाप्त हो जाता है।

स्थान: रायबरेली

दिनांक: 26/04/2020

(विशाल कुमार)

लेखाधिकारी

(कुमार अभय, आईएएस)

वित्तीय सलाहकार

(प्रो. अरविंद राजवंशी)

अधिशासी निदेशक

“प्रस्तुत लेखे मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक लेखे 2019–20 का हिन्दी अनुवाद है। यदि इनमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित लेखे मान्य होंगे।

त्वरितडाक

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ, शाखा कार्यालय प्रयागराज “सत्यनिष्ठा भवन” 15—ए, दयानन्द मार्ग, प्रयागराज –211001

पत्र संख्या: म0नि0ले0प0 (केन्द्रीय)/पृ.ल.प.- /2020–21/

दिनांक : .12.2020

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
निर्माण भवन, नई दिल्ली–110001

विषय : भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, रायबरेली के वर्ष 2019–20 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन ।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, रायबरेली के वर्ष 2019–20 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) तथा वार्षिक लेखे की प्रति अग्रसारित की जा रही है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप–से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ–साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नक: उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

हौं

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र संख्या: म0नि0ले0प0 (केन्द्रीय)/पृ.ल.प.-06/2020–21/ ८२-

दिनांक : १६ .12.2020

वर्ष 2019–20 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, मुंशीगंज रायबरेली –229405 को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित होना चाहिए :

“प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।”

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक: उपर्युक्तानुसार।

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के लेखा विभाग के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग-अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (संस्थान) की संलग्न तुलन-पत्र 31 मार्च 2020 के अनुसार आय और व्यय, उपार्जित और प्राप्तियां तथा भुगतान खाता का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिनियम (कर्तव्यों, शक्तियाँ और कर्तव्य की शर्तें) 19 (2) के तहत, एम्स अधिनियम, 1956 (संशोधित 2012) की धारा 18 (2) के आधार पर उस समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधक की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण के संबंध में केवल उपचार, सर्वोत्तम लेखा अभ्यासों, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप अभियोग उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) तथा दक्षता सह प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा अवलोकन, यदि कोई हो, तो निरीक्षण प्रतिवेदन / सीएजी की लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से प्रतिवेदन की जाती है।

3. हमने अपना लेखा परीक्षा आम तौर पर भारत में स्वीकार किए गए लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम वित्तीय विवरणों को सामग्री के गलत विवरणों से मुक्त करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने हेतु योजना बनाएं और लेखा परीक्षा करें। एक लेखा परीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय वक्तव्यों में मात्रा और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले सबूत शामिल हैं। लेखा परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारा लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर, हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

- (i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारे जान और विश्वास के लिए सबसे अच्छा था;

- (ii) तुलन-पत्र, आय और व्यय खाते तथा रसीदें और भुगतान खाते इस प्रतिवेदन के साथ वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
- (iii) हमारी राय में, एम्स अधिनियम 1956 (संशोधन 2012) की धारा 18 (1) के तहत आवश्यक सभी प्रकार के खातों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों की उचित पुस्तकों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली द्वारा बनाए रखा गया है।
- (iv) हम आगे बताते हैं कि :

(अ) सामान्य

लेखांकन नीति संख्या 5 के अनुसार "अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी के लिए देयता अर्जित की जाती है और यह अनुमान लगाया जाता है कि कर्मचारी प्रत्येक वर्ष के अंत में लाभ प्राप्त करने का हकदार है।" हालांकि, एएस 15 और एकरूप प्रारूप के अनुसार सेवानिवृत्ति के लाभों की देयता बीमांकिक आधार पर प्रदान की जानी है। हालांकि, संस्थान की नीति एएस 15 और खातों के एकसमान प्रारूप के अनुरूप नहीं है। इससे चालू देनदारियों के साथ-साथ खातों में कॉर्पस फंड पर प्रभाव पड़ता है।

(आ) सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2019-20 के दौरान 106.90 करोड़ रुपये अनुदान में सहायता से प्राप्त हुईं और आंतरिक स्रोतों से 2 करोड़ की आय हुई। 15.82 करोड़ की शेष राशि के साथ कुल धनराशि 124.88 करोड़ हो गई। संस्थान ने 31 मार्च 2020 तक 52.55 करोड़ रुपये की शेष राशि को छोड़कर 72.33 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेद में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम प्रतिवेदन करते हैं कि तुलन-पत्र, आय और व्यय, जमा और रसीद तथा इस खाते के द्वारा किए गए भुगतान लेखा विभाग की खातों के साथ अनुबंध में हैं।

(vi) हमारी राय में और हमारी जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर एक साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों के अधीन होते हैं और इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामले भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष घटिकों देते हैं;

- (अ) अब तक यह सभी मामलों की स्थिति अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली की तुलन-पत्र 31 मार्च 2020 तक से संबंधित है और
- (आ) अब तक, यह उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए न तो घाटे और न ही अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से

लेखा परीक्षा के प्रमुख निदेशक (मुख्य)

स्थान: लखनऊ

दिनांक 21.9.2020

अनुबंध

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान का आंतरिक लेखा परीक्षा वर्ष 2019-20 के लिए आयोजित किया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता को 2019-20 के दौरान शासी निकाय के किसी भी प्रकार की गैर-होल्डिंग द्वारा चिह्नित किया गया है, जबकि शासी निकाय को एक तिमाही में एक बार मिलने के लिए निर्धारित किया जाता है।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

4. वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

वैधानिक देय राशि के भुगतान में संस्थान नियमित है।



निदशक (सी.ई.)

